राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण मंगलवार 19 मार्च 2024 वर्ष-7,अंक-56 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

चुनावी बॉण्ड........प्रधानमंत्री मोदी की हफ्ता वसूली योजना : कांग्रेस

नई दिल्ली ।

कांग्रेस ने चुनावी बॉण्ड मामले को लेकर फिर से केंद्र सरकार पर निशाना साधकर दावा किया कि यह प्रधानमंत्री हफ्ता वसूली योजना थी। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने आरोप भी लगाया कि 21 ऐसी कंपनियां है जिन्होंने प्रवर्तन निदेशालय और आयकर विभाग जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों की कार्यवाही के बाद चुनावी बॉण्ड के रूप में चंदा दिया। कांग्रेस नेता रमेश ने पोस्ट किया, चुनावी बॉण्ड घोटाला कितना बड़ा है यह लगातार स्पष्ट दिख रहा है। हर गुजरते दिन के साथ इससे जुड़े चौंकाने वाले उदाहरण सामने आ रहे हैं। उन्होंने दावा किया, 10 नवंबर 2022 को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली सरकार की शराब नीति में कथित अनियमितताओं से संबंधित धन शोधन के मामले में अरबिंदो फार्मा के निदेशक पी सरथ चंद्र रेड्डी को गिरफ्तार किया। पांच दिन बाद, 15 नवंबर को, अरबिंदो फार्मा ने चुनावी बॉण्ड के रूप में 5 करोड़ रुपये का चंदा दिया। कांग्रेस के अनुसार, नवयुग इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड ने अक्टूबर, 2018 में आयकर विभाग द्वारा छापा मारे जाने के छह महीने बाद अप्रैल, 2019 में 30 करोड़ रुपये के चुनावी बॉण्ड खरीदे। उन्होंने कहा, 7 दिसंबर, 2023 रूंगटा संस प्राइवेट लिमिटेड की तीन इकाइयों पर आयकर विभाग ने छापा मारा। 11 जनवरी, 2024 को कंपनी ने एक करोड़ रुपये के 50 चुनावी बॉण्ड खरीदे। इससे पहले, इस कंपनी ने केवल अप्रैल 2021 में चंदा दिया था। उन्होंने कहा, ये केवल कुछ प्रमुख उदाहरण हैं। कुल 21 ऐसी कंपनियां हैं, जिन्होंने सीबीआई, ईडी या आयकर विभाग की जांच के बाद चुनावी बॉण्ड के रूप में चंदा दिया है। कांग्रेस नेता रमेश ने कहा, प्रधानमंत्री हफ़्ता वसूली योजना का क्रियान्वयन करने वाले ईडी और आयकर विभाग तथा चुनावी बॉण्ड घोटाले को अंजाम देने वाला भारतीय स्टेट बैंक वित्त मंत्री को रिपोर्ट करते हैं। सुप्रीम कोर्ट के पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 15 फरवरी को दिए गए ऐतिहासिक फैसले में अनाम राजनीतिक फंडिग की इजाजत देने वाली केंद्र की चुनावी बॉण्ड योजना को रद्द कर दिया था।

विदेशी छात्रों से हुई मारपीट, मामले में दो लोगों की गिरफ्तार

गांधीनगर ।

गुजरात यूनिवर्सिटी के हॉस्टल कैंपस में विदेशी छात्रों से हुई मारपीट मामले में दो लोगों की गिरफ्तार हुई है। दोनों युवक अहमदाबाद के रहने वाले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने सोला के रहने वाले हितेश मेवाड़ा और वस्त्राल के भरत पटेल को गिरफ्तार किया है। दोनों युवकों को क्राइम ब्रांच ने गुजरात यूनिवर्सिटी पुलिस को सौंप दिया है। विदेशी छात्रों से मारपीट मामले पर विदेश मंत्रालय ने भी संज्ञान में लिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा है कि गुजरात यूनिवर्सिटी में हिंसा की घटना हुई है। राज्य सरकार अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है। झड़प में दो विदेशी छात्र घायल हुए थे। उसमें से एक छात्र को इलाज के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। मामले को लेकर विदेश मंत्रालय गुजरात सरकार के संपर्क में है। रिपोर्ट के मुताबिक, हॉस्टल में विदेशी छात्रों पर हमले के मामले में सात लोगों की पहचान हुई है। क्राइम ब्रांच ने दो आरोपियों को गिरफ्तार भी किया गया है। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। विदेशी छात्रों के साथ हुई मारपीट के मामले में इंचार्ज डीसीपी तरुण दुग्गल ने कहा है कि आरोपियों को पकड़ने के लिए 9 टीम बनाई गई थी। मामले में 25 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

फसल सूंघकर सेंसर किसान को देंगे अलर्ट मैसेज

हैदराबाद । सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ़ एडवांस्ड कंप्यूटिंग के वैज्ञानिकों ने वायरलेस सेंसर नेटवर्क का आधुनिक वर्जन तैयार किया है। इसमें सेंसर के जरिए फसल को सेंसर के माध्यम से एनालाइज किया जा सकता है। एनालाइज करने के बाद किसान को अलर्ट मैसेज भेजा जा सकता है। इससे किसानों को कब कितने पानी का छिड़काव करना है। कब कीटनाशक छिड़कना है। धूप का पौधों पर किस तरह का असर पड़ रहा है। यह सभी जानकारी किसानों को मोबाइल और इंटरनेट के माध्यम से प्राप्त हो जाएगी। किसानों को एसएमएस के द्वारा भी सूचना भेजी जा सकेगी। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के महबूबनगर जिले में 350 एकड़ में यह मॉडल प्रायोगिक तौर पर चल रहा है। किसान इस मॉडल को आसानी से अपडेट कर सकते हैं। नोडस सेंसर, राउटर और गेटवे के माध्यम से हाई फ्रीक्वेंसी वाले पांच सेंसर लगाए गए हैं। इन सेंसर के माध्यम से रियल टाइम में तापमान, आर्द्रता, पौधों के पत्तों का गीलापन, मिट्टी की नमी और तापमान जैसी जानकारीसेंसर के माध्यम से रिकॉर्ड होती है। उसका डाटा रजिस्टर्ड किसानों को भेजा जाता है।

'साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर'

पीएम मोदी ने पुतिन को फिर राष्ट्रपति चुने जाने पर दी बधाई

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को उनकी शानदार चुनावी जीत पर बधाई देते हुए सोमवार को कहा कि वह दोनों देशों के बीच समय की कसौटी पर परखी हुई साझेदारी को और मजबूत करने के लिए तत्पर हैं। व्लादिमीर पुतिन (71) लगभग 88 प्रतिशत वोट हासिल करके पाँचवीं बार राष्ट्रपति बने हैं, जो रूस में सोवियत-काल के बाद के इतिहास में सबसे अधिक है। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'रूसी संघ के राष्ट्रपति के रूप में फिर से चुने जाने पर महामहिम श्री व्लादिमीर पुतिन को हार्दिक बधाई।' उन्होंने कहा, 'आने वाले वर्षों में हम भारत और रूस के बीच समय की कसौटी पर परखी हुई विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने के लिए तत्पर हैं।' राष्ट्रपति पुतिन ने इस साल की शुरुआत में स्वतंत्र विदेश नीति का पालन करने के लिए भारत और पीएम मोदी की प्रशंसा की थी। उन्होंने कहा था, 'आधुनिक दुनिया में यह आसान नहीं है'। भारत और रूस दोनों ने बार-बार कहा है कि वे विश्वसनीय भागीदार हैं। रूस टुडे ने पुतिन के हवाले से कहा था, 'भारत के साथ हमारे बहुत अच्छे रिश्ते हैं और भारत में हमारा विश्वास इस तथ्य से प्रदर्शित होता है कि मॉस्को नई दिल्ली का सबसे बड़ा विदेशी निवेशक है... और यह सिर्फ शुरुआत है।' मॉस्को में अपने राष्ट्रपति अभियान मुख्यालय में 'विजयी भाषण' देते हुए पुतिन ने देश के लोगों को धन्यवाद दिया। वह 2030 तक इस पद पर रहेंगे और 200 साल से अधिक समय में देश के सबसे लंबे समय तक पदासीन नेता बन जाएँगे। उन्होंने समर्थकों से कहा कि वह यूक्रेन में रूस के 'विशेष सैन्य अभियान' को प्राथमिकता देंगे और रूसी सेना को मजबूत करेंगे।

उन्होंने कहा, 'हमारे सामने कई कार्य हैं। लेकिन जब हम एकजुट हो जाते हैं - कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन हमें डराना चाहता है, दबाना चाहता है - इतिहास में कोई भी ऐसा करने में सफल नहीं हुआ है, वे अब भी सफल नहीं हुए हैं, और वे भविष्य में भी कभी सफल नहीं होंगे।''

फाईल फोटो

कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक टली

दिल्ली की तीन सीटों पर नाम फाइनल

नई दिल्ली । दिल्ली की तीन सीटों पर प्रत्याशी तय करने के लिए कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक सोमवार को भी नहीं हो रही है। इसके पहले सीईसी की पिछली बैठक में दिल्ली की स्क्रीनिंग कमेटी से तीनों सीटों पर एक-एक नाम ही फाइनल करके लाने को कहा गया था। मालूम हो कि सीईसी की बैठक पहले सोमवार को होनी थी, लेकिन अब यह मंगलवार को होगी। स्क्रीनिंग कमेटी द्वारा फाइनल नामों पर मुहर लग सकती है। साथ ही कुछ अन्य सीटों के साथ ही दिल्ली में उम्मीदवारों के नामों की भी घोषणा की जा सकती है। बता दें कि पिछली बैठक में सीईसी के समक्ष जो तीन नामों का पैनल भेजा गया था, उसमें चांदनी चौक से पूर्व सांसद जेपी अग्रवाल, पूर्व विधायक अलका लांबा और पूर्व सांसद संदीप दीक्षित, पूर्वी दिल्ली से प्रदेश अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अनिल चौधरी और वरिष्ठ नेता चतर सिंह जबकि उत्तर पश्चिमी दिल्ली से पूर्व सांसद उदित राज, पूर्व मंत्री राजकुमार चौहान एवं पूर्व विधायक सुरेंद्र कुमार के नाम शामिल थे। जानकारी के मुताबिक, चांदनी चौक से अग्रवाल, पूर्वी दिल्ली से संदीप दीक्षित और उत्तर पश्चिमी दिल्ली से राजकुमार के नाम पर सहमति बन सकती है। अगर आलाकमान के संकेत पर केंद्रीय स्तर पर कोई हस्तक्षेप नहीं हुआ, तब इन्हीं नामों पर मुहर लगाई जा सकती है। बात दें कि दिल्ली में मतदान 25 मई को होगा।

चुनावी बांड एक प्रयोग था, समय बताएगा यह कितना फायदेमंद रहा: दत्तात्रेय

- दत्तात्रेय बोले- यह स्वाभाविक है, जब नई चीजें सामने आएंगी तो लोग सवाल करेंगे

नागपुर ।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि चुनावी बांड एक प्रयोग था और समय बताएगा कि यह कितना फायदेमंद और प्रभावी रहा। आरएसएस अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा ने तीन साल के लिए सरकार्यवाह (महासचिव) पद के लिए दत्तात्रेय होसबाले को फिर से चुना। चुनाव आयोग ने गुरुवार को चुनावी बांड का डेटा सार्वजनिक किया, जिसके खरीदारों में कई अरबपति बिजनेस टाइकून समेत कम नामी संस्थाएं शामिल हैं। भारतीय स्टेट बैंक द्वारा ईसीआई को उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के मुताबिक स्टील टाइकून लक्ष्मी मित्तल से लेकर अरबपति सुनील भारती मित्तल की एयरटेल, अनिल अग्रवाल की वेदांता, आईटीसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा और कम प्रसिद्ध फ्यूचर गेमिंग एंड होटल सर्विसेज जैसी कंपनियां चुनावी बांड के प्रमुख खरीदारों में शामिल थे। चुनावी बांड के मुद्दे पर उठाई जा रही चिंताओं और दावों के बारे में पूछे जाने पर होसबाले ने कहा कि संघ ने अभी तक इस बारे में चर्चा नहीं की है क्योंकि यह एक प्रयोग था। उन्होंने कहा कि यह जांच-परख और विचार-विमर्श के साथ लाया गया और ऐसा नहीं है कि चुनावी बांड अचानक पेश किया गया है, यह योजना पहले भी लाई गई थी। जब भी कोई बदलाव पेश किया जाता है, तो सवाल उठाए जाते हैं। सवाल तब भी उठाए गए थे जब ईवीएम पेश की गई। यह स्वाभाविक है कि जब नई चीजें सामने आएंगी तो लोगों द्वारा सवाल उठाए जाएंगे। लेकिन समय बताएगा कि नई प्रणाली कितनी फायदेमंद और प्रभावी रही। इसलिए, संघ को लगता है कि इसे प्रयोग के लिए छोड़ दिया जाना चाहिए। नरेंद्र मोदी सरकार के 10 साल के शासन के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि आरएसएस समान नागरिक संहिता का स्वागत करता है। इसे लागू करने की मांग करने वाला एक प्रस्ताव कई साल पहले संगठन की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में पारित किया गया था। इसे भाजपा शासित उत्तराखंड में लागू किया गया है। हम चाहेंगे कि इसे पूरे देश में लागू किया जाये लेकिन उत्तराधिकार, एडॉप्शन, विवाह और अन्य मुद्दों जैसे कुछ विवरण हैं जिन पर चर्चा की आवश्यकता है और फिर आगे बढ़ सकते हैं।

राहुल का तंज बोले- कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पार्टी छोड़ते हैं फिर मेरी मां के आगे रोते हैं

मुंबई।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने अपनी ही पार्टी के एक नेता पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के एक वरिष्ठ नेता कांग्रेस पार्टी को छोड़ते हैं और मेरी मां से रोते हुए कहते हैं कि सोनिया जी, मुझे शर्म आ रही है कि मेरे पास इस शक्ति से लड़ने की हिम्मत नहीं है। मैं जेल नहीं जाना चाहता। इस तरह के हजारों लोगों को डराया गया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मुंबई में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन समारोह में राहुल गांधी ने सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म में एक शब्द होता है 'शक्ति'। हम एक शक्ति से लड़ रहे हैं। सवाल यह है कि वह शक्ति क्या है? राजा की आत्मा ईवीएम में है, यह सच है। राजा की आत्मा ईवीएम और देश की हर संस्था, ईडी, सीबीआई में है। इसके अलावा नेताओं के पार्टी छोड़ने का भी राहुल गांधी ने जिक्र किया। अपनी 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के समापन के बाद मुंबई के शिवाजी पार्क में 'इंडिया' गठबंधन की रैली में गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'ईवीएम, ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग' के बिना लोकसभा चुनाव नहीं जीत पाएंगे। गांधी ने कहाकि मोदी एक मुखौटा हैं, जो शक्ति के लिए काम करते हैं। वह हल्का आदमी हैं, जिनके पास 56 इंच का सीना नहीं है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी का 'भ्रष्टाचार पर एकाधिकार' है। उन्होंने सवाल किया कि क्या आपको लगता है कि शिवसेना और राकांपा के लोग अलग होकर सत्तारूढ़ गठबंधन में ऐसे ही शामिल हो गए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई और समाज में नफरत को उजागर करने के लिए उन्हें अपनी 'भारत जोड़ो यात्रा' शुरू करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

निर्माणाधीन इमारत गिरी, दो की मौत 10 को मलबे से निकाला

कोलकाता।

रविवार रात एक निर्माणाधीन इमारत गिरने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। गार्डन रीच इलाके के हजारी मोल्ला बागान में आधी रात के आसपास पांच मंजिला इमारत ढह गई। कम से कम 10 लोगों को मलबे में से निकाला गया। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि गार्डन रीच इलाके में हजारी मुल्ला बागान में स्थित पांच मंजिला इमारत देर रात ढह गयी। इसके बाद मलबे में लोगों के दबे होने की आशंका के मद्देनजर तलाश व बचाव अभियान चलाया गया। कोलकाता के पुलिस आयुक्त विनीत गोयल ने घटनास्थल का दौरा किया और बचाव अभियान का जायजा लिया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, ''रविवार देर रात गार्डन रीच इलाके में एक निर्माणाधीन इमारत ढह गयी। हमने कुछ लोगों को मलबे में से निकाला है। बचाव अभियान अभी जारी है।'' घटनास्थल पर एम्बुलेंस तैनात की गयी हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, इमारत के ढहने से पहले कंक्रीट के टुकड़े गिरे थे। उन्होंने बताया कि इमारत के ढहने पर एक तेज आवाज आयी और पूरे इलाके में धूल का गुबार छा गया। घनी आबादी वाले इस इलाके में इमारत का मलबा आसपास की झुग्गियों पर भी गिरा। पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मैं पश्चिम बंगाल के गृह सचिव और कोलकाता के पुलिस आयुक्त से पश्चिम बंगाल राज्य आपदा प्रबंधन दल के साथ मिलकर तत्काल बचाव व राहत अभियान चलाने का अनुरोध करता हूं।'' उन्होंने कहा, ''मुझे संभावित हताहतों के बारे में परेशान करने वाली कॉल आ रही हैं।

इलेक्टोरल बॉड पर सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई को लताड़ा कहा- 21 तक हर हाल में जानकारी साझा करें

नई दिल्ली।

बीते कई दिनों से चुनावी इलेक्टोरल बॉड को लेकर घमासान मचा हुआ है। एसबीआई पर जानकारी छुपाने के आरोप लग रहे हैं। इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय स्टेट बैंक को फटकार लगाते हुए साफ कह दिया है कि हर हाल में 21 मार्च की शाम 5 बजे तक पूरी जानकारी साझा कर दें। साथ ही निर्वाचन आयोग को आदेश देते हुए कहा कि जानकारी मिलते ही इसे अपनी वेबसाइट पर अपलोड करें। कोर्ट ने कहा है कि इस मुद्दे पर कुछ भी छुपाया नहीं जाना चाहिए। सब कुछ सार्वजनिक करना होगा। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डी वाई चंद्रचूड़ ने भारतीय स्टेट बैंक से पूछा कि आपने ने पूरी जानकारी क्यों नहीं दी? उन्होंने कहा कि फैसले में स्पष्ट था कि सभी विवरणों का खुलासा किया जाना चाहिए। कुछ भी चयनात्मक नहीं होना चाहिए। कोर्ट के आदेशों पर निर्भर मत रहिए। सभी इमेजिनेबल जानकारी का खुलासा किया जाना चाहिए। बता दें कि चुनाव आयोग ने हाल ही में राजनीतिक दलों द्वारा सीलबंद कवर के तहत जमा किए गए चुनावी बांड के विवरण को सार्वजनिक कर दिया। माना जा रहा है कि विवरण 12 अप्रैल, 2019 से पहले की अवधि से संबंधित हैं। इस तारीख के बाद के चुनावी बांड विवरण पिछले सप्ताह चुनाव पैनल द्वारा सार्वजनिक किए गए थे। चुनाव आयोग ने एक बयान में कहा था कि राजनीतिक दलों ने सुप्रीम कोर्ट के 12 अप्रैल, 2019 के अंतरिम आदेश के निर्देशानुसार, सीलबंद कवर में चुनावी बांड का डेटा दाखिल किया था। कोर्ट में एसबीआई की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने आग्रह करते हुए कहा कि यह समझने का मौका दिया जाए कि एसबीआई ने कोर्ट के आदेश को किस तरह से समझा है। इस पर सीजेआई ने कहा कि हम चाहते हैं कि चुनावी बांड से संबंधित सभी जानकारी का खुलासा किया जाए। जो भी जानकारी आपके पास है, सबका खुलासा हो। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा है कि इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर कुछ भी ना छुपाया जाए। सबकुछ सार्वजनिक होना चाहिए। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया ने पूछा है कि भारतीय स्टेट बैंक ने पूरी जानकारी क्यों नहीं दी? मामले में सीनियर वकील मुकुल रोहतगी फिक्की और एसोचैम की तरफ से पेश हुए। रोहतगी ने कहा कि इसके लिए उन्होंने एक आवेदन दायर किया है। हालांकि, इस पर सीजेआई ने कहा कि हमारे पास ऐसा कोई आवेदन नहीं आया है। आप फैसला सुनाए जाने के बाद यहां आए हैं। हम अभी आपको नहीं सुन सकते।

संपादकीय

कम उम्र में कैंसर

दुनिया में कैंसर का फैलते जाना जितनी चिंता की बात है, उससे कहीं ज्यादा विचलित करने वाली बात है कि युवाओं में इस बीमारी का प्रकोप बढ़ रहा है। पहले जो बीमारियां बड़ी उम्र के लोगों को होती थीं, अब कम उम्र के लोगों में भी दिखने लगी हैं। इस बीमारी के इलाज से जुड़े डॉक्टरों के पास ऐसे बहुत मरीज आने लगे हैं, जिनकी उम्र ज्यादा नहीं है। नेचर पत्रिका में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, हालात इस तरह से बदल रहे हैं कि शोधकर्ता चिकित्सक भी चिंतित हैं। 16 साल का एक किशोर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर का इलाज कराने के लिए चीन से टेक्सास आया था। यह कैंसर बड़ी उम्र के लोगों में ही देखा जाता है। उसके माता-पिता ने किशोर की देखभाल के लिए अपना घर बेच दिया था, मगर तब तक बहुत देर हो चुकी थी। टेनेसी के नैशविले में वेंडरबिल्ट यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर में ऑन्कोलॉजिस्ट कैथी इंग कहती हैं, चीन से आए किशोर की बीमारी ऐसे स्तर पर पहुंच चुकी थी कि इलाज के लिए कुछ भी करना संभव नहीं था। नैशविले से हजारों मील दूर यहां मुंबई में भी सर्जन जॉर्ज बैरेटो यही बात नोटिस कर रहे हैं। इंग और बैरेटो जैसे ऑन्कोलॉजिस्ट बहुत कठिनाई से आंकड़े जुटा रहे हैं और अब इस बीमारी के आंकड़े स्पष्ट होने लगे हैं। आंकड़ों के अनुसार, 50 वर्ष से कम उम्र के वयस्कों में एक दर्जन से अधिक प्रकार के कैंसर की दर बढ़ रही है। यह वृद्धि देश-दर-देश और कैंसर-दर-कैंसर अलग-अलग है, पर वैश्विक डाटा पर आधारित मॉडल बताते हैं कि साल 2019 से 2030 के बीच शुरुआती कैंसर के मामलों में लगभग 30 प्रतिशत की वृद्धि होगी। अमेरिका में कोलोरेक्टल कैंसर-जो आमतौर पर 1960 के दशक के मध्य में ज्यादा उम्र के पुरुषों को प्रभावित करता था, वह 50 वर्ष से कम उम्र के पुरुषों में तेजी से बढ़ रहा है। यह युवा महिलाओं में कैंसर से होने वाली मौत का दूसरा प्रमुख कारण बन गया है। जैसे-जैसे बेहतर जांच, जागरूकता और उपचार की गति बढ़ रही है, वैसे-वैसे जांचकर्ता यह समझने लगे हैं कि इस बीमारी की दरें क्यों बढ़ रही हैं? यह बात बार-बार सामने आ रही है कि इस बीमारी के लिए अनेक कारक जिम्मेदार हैं। किसी एक कारक को ज्यादा जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। इलिनोइस में शिकागो विश्वविद्यालय की गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट सोनिया कुफर कहती हैं, 'यह बढ़ती बीमारी कई अलग-अलग कारकों का संयोजन लगती है।' अमेरिका के आंकड़े ज्यादा स्पष्ट हैं, 1990 के दशक के मध्य से 50 वर्ष से कम उम्र की्त्ररयों में गर्भाशय कैंसर में हर साल दो प्रतिशत की वृद्धि हुई है। स्तन कैंसर के मामलों में भी 2016 और 2019 के बीच प्रति वर्ष 3.8 प्रतिशत की वृद्धि पाई गई है। वैज्ञानिकों ने श्वेत और अश्वेत के बीच कैंसर-दर का अध्ययन किया है और कम उम्र के अश्वेतों में बीमारी की आशंका ज्यादा है। अब कम उम्र से ही कैंसर के प्रति सावधान रहने की जरूरत है। शोधकर्ताओं ने जांच की उम्र घटाने की भी सिफारिश की है। अनेक प्रसिद्ध लोगों की इस बीमारी से कम उम्र में मौत हुई है, इससे भी जागरूकता को बल मिल रहा है। साल 2020 में 43 वर्षीय अभिनेता चैडविक बोसमैन की कोलन कैंसर से मौत ने जागरूकता बढ़ाने में बड़ी मदद की है। डॉक्टर अब इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि 40 की उम्र से ही सतर्कता व जांच का सिलसिला शुरू हो जाना चाहिए, ताकि बड़ी उम्र में ज्यादा आश्वस्त रहा जा सके।

आज का राशिफल

मेष प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है।

वृषभ व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे।

कर्क प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। धन हानि के योग हैं।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या आर्थिक योजना फलीभूत होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। वाणी की सौम्यता से व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

धनु व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मकर शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के भरपूर अवसर प्राप्त होंगे। धन लाभ के योग हैं।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किसी का वाणी के स्तर पर उत्पीड़न न करें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन, सम्मान, यश, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

नैतिक दायित्वों की अनदेखी से उपजा संकट

शैली वालिया

गाज़ा में जिस तरह बेगुनाह नागरिकों का नरसंहार, बेइज्जती और उत्पीड़न देखने को मिल रहा है और उस पर शांति कायम रखवाने वाली एजेंसियां बेशर्मी से निष्क्रिय और मरणासन्न बनी हुई हैं, वह एक सभ्यतागत त्रासदी है। इस्राइली नेतृत्व निर्भीक होकर ढीठ बना ताकत की हनक में डूबा पड़ा है, और अंतर्राष्ट्रीय कानून की पूरी तरह अवमानना करने के बावजूद लाभ ले रहा है। बुजुर्ग औरतों को अपने युवा बेटों की लाशों पर पीड़ा से क्रंदन करते देख किसी की भी आंखों में आंसू आ जाएं, लेकिन सरकारें निर्विकार बनी हुई हैं। विशेषकर अमेरिका की, जिसने संयुक्त राष्ट्र में शांति स्थापना को लेकर पेश किए गए प्रस्ताव को पुनः ढिठाई से वीटो कर दिया है। इससे सत्य और नैतिकता युक्त अंतरात्मा की आवाज दबकर रह गई है। जैसा कि नाटककार हैरोल्ड पिंटर ने कहा है, 'सत्य की खोज कभी बंद नहीं हो सकती', खासकर ऐसे अंधे वक्त में, जब नाना किस्मों के झूठों ने हमें भरमा रखा है और व्हाइट हाउस एवं बड़े कॉर्पोरेट्स द्वारा पोषित आतंकवाद की करतूतें दुनियाभर में जारी हैं। कफन में लिपटी अपनी पत्नी के शव पर पति को सिर रखकर रोते देखना हृदयविदारक है। एक मां रानिया अबू ने कुछ दिन पहले पति गंवा दिया था और अब चार महीने के जुड़वां बेटा-बेटी में बेटे को भी। अपने पुत्र की लाश पर हाथ मार बिलखती वह मां पीड़ा में उसकी देह को दफन के लिए ले जाने से रोकती हुई दुहाई देती है, 'मेरे जिगर का टुकड़ा चला गया, हम तो सो रहे थे न कि गोलियां चला रहे थे, न ही हम लड़ रहे थे। उसका कसूर क्या था? अब मैं कैसे जी पाऊंगी?' बेटे की दुधमुंही जुड़वां बहन, जो रिश्तेदारों की गोद में कपड़ों में लिपटी पड़ी है, वह भी सुबक रही है लेकिन उसे क्या पता कि मां पर क्या गुजरी है। जिस तरह उसका भाई और अन्य परिवार वाले चले गए उस तरह जाने कितने हज़ार अन्य भी पत्थर हो चुके हमारे मानवीय मूल्यों के जागने से पहले चले जाएंगे। बेगुनाह हमेशा भुगतते आए हैं। ध्वस्त हुए अस्पताल के बाहर, खून से सनी पटड़ी पर पड़ी चौबीस लाशों का मंजर देखकर पत्थर दिल भी रो देगा। इनमें 11 से अधिक दुधमुंहे बच्चे हैं। बमबारी से तबाह हुए घरों की तस्वीरें, नागरिकों और सुरक्षाबलों के बीच खूनी झड़पों की दृश्यावली काफी न थी कि फलस्तीनियों के हालिया नरसंहार का मंजर झकझोर देता है, वे गए तो थे सामग्री पहुंचाने वाली गाड़ियों के सामने जिंदा रहने को भोजन के लिए हाथ फैलाने, पर झोली में पड़ी मौत। आखिर सामूहिक नरसंहार की परिभाषा में आने के लिए कितनों का होम होना जरूरी है ताकि युद्ध-अपराधियों को सजा देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय को जगने के लिए काफी माना जाए। गाजा में चल रहा नरसंहार हमें वियतनाम युद्ध और हिरोशिमा पर गिराए परमाणु बम के काले दिनों की याद दिलाता है। क्या यही है सभ्यता जिसके लिए क्रमिक विकास कर हम यहां तक पहुंचे हैं? जिसमें द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद न्यूरम्बर्ग में युद्ध अपराधियों पर चलाए गए मुकदमों जैसा कुछ है? क्या हम इसको सभ्यता कह सकते हैं जब पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री मैंडलिन ऑलब्राइट द्वारा किसी को कहे यह जालिमाना शब्द सुनने को मिलें, 'हां, उनकी मौत का इतना ही मोल था।' यह वह राजनेता नहीं है जिनके अंदर युद्ध पीड़ितों के प्रति सहानुभूति दिखाने की काबिलियत हो, यह तो वह नेता है जो बदलाखोरी से ग्रस्त होकर नरसंहार का आनंद लेता है। नैतिकता के तमाम बोध या दायित्व को दरकिनार कर, जिसे सभ्य देश युद्ध में भी कायम रखना चाहेंगे। 'कला, सत्य और राजनीति' नामक अपने लेखक में पिंटर यक्षप्रश्न पूछते हैं, 'हमारी नैतिक संवेदना को क्या हो गया है? क्या अब बाकी भी है? और हमारी अंतरात्मा को क्या हुआ? क्या सब मर चुके हैं?' गाज़ा के पिछले कुछ महीनों के हालात देखें तो यह साफ हो जाता है कि आपराधिक जुल्म देखकर भी अंतर्राष्ट्रीय समुदाय कमोबेश अनदेखा कर रहा है। अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस को अपना काम करने देने की शक्ति देने को कोई पक्ष राजी नहीं है, जो कि वस्तुतः युद्ध अपराध की श्रेणी में आता है। यानी वे कृत्य जो सैन्य फायदा उठाने में असंगत हों, वे जो सैन्य और नागरिक निशानों में भेद न करें या जो नागरिकों में जख्मियों और मौत की हानि को न्यूनतम रखने की सावधानी बरतने में असफल रहे। लगता है अमेरिका ने खुद को जैसा जी चाहे वैसा हमला किसी पर करने-करवाने की छूट दे रखी है। इस युग में, जब सशस्त्र संघर्ष चहुंओर व्याप्त हैं, मुश्किलों के दर्दनाक स्वरूप की इससे ज्यादा झकझोरने वाली बानगी क्या होगी जब भयाक्रांत बच्चा मां से पूछे कि गोली लगकर मरने पर कैसा महसूस होता होगा और क्या खून बहने से रोकना संभव है। यह भूल जाना आसान है कि कैसे सैनिक गाहे-बगाहे या जानबूझकर बेगुनाह नागरिकों को रोजाना मार रहे हैं या अंगभंग करते रहते हैं। हालांकि, ऐसे सैन्य अभियानों का प्रचार 'सर्जिकल' स्ट्राइक बताकर न्यायोचित बताया जाता है। लेकिन जानबूझकर और निर्ममता से आम नागरिकों की मौत का आंकड़ा अलग दास्तान बयान करता है। यमन में, जहां पर अमेरिका की शहप्राप्त सऊदी अरब के हवाई हमलों में हजारों की संख्या में नागरिक मारे जा चुके हैं, एक स्कूल पर गिरे बम में किसी प्रकार बच निकली आठ वर्षीय बच्ची ने जिस आवेगपूर्ण ढंग से अपना रंज व्यक्त किया वह खूनी दांत किटकटाने वाले असंवेदनशीलों के लिए आंखें खोलने वाला है, 'मेरे पिता कहते हैं वे मेरे खिलौने खरीदेंगे और नया स्कूलबैग भी। पर अब मुझे स्कूलबैग से नफरत हो गई। मैं तो स्कूल बस के पास भी नहीं फटकना चाहती। मुझे स्कूल से भी नफरत है, मैं सो नहीं पाती। अपने सपनों में उन दोस्तों को देखती हूं जो मुझसे उन्हें बचाने की गुहार लगाते हैं। इसलिए आज से मैं घर पर ही रहूंगी।' यह तो दर्द की एक दास्तान भर है, यह तो केवल एक व्यथा है, अधिकांश अनकही है, लेकिन यह हमें याद दिलाती है कि युद्ध सिर्फ विध्वंस और खूनी हमलों का दूसरा रूप है। हैरानी है, आज के वक्त में हमें न्यूरम्बर्ग मुकदमों जैसा कुछ सुनने-देखने को नहीं मिलता। युद्ध को त्यागने जैसी भावना की कमी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। हैरानी होती है कि हमारी सभ्यता के लोगों द्वारा क्या सैनिकों का महिमामंडन या युद्ध जीतने का जश्न मनाना ठीक है। मनुष्य की आने वाली नस्लों के भविष्य के लिए जरूरी सोच-विचार करना और किसी को मारने अथवा डराने के लिए सैनिक भेजना बंद क्यों नहीं किया जाता? क्यों नहीं उन त्रासदियों के बारे में सोचते जिससे युद्धग्रस्त लोगों को गुजरना पड़ता है। योजनाबद्ध परपीड़क क्रूरता, ज्यादतियों और सच का निर्दयापूर्वक गला घोंटने वाली करतूतों को कलमबद्ध क्यों नहीं किया जाता? नए-नए हथियारों पर खरबों-खरब खर्च करने की बजाय क्यों नहीं मुल्क ऐसी एजेंसियों का साथ देते जो शरणार्थियों और जिंदा बचे लोगों की भलाई के लिए प्रतिबद्धता से काम करती हैं। ऐसी दुनिया में, लड़ाई की असली कीमत का भान उन सबके ज़हन में रहे जो इस बात में यकीन रखते हैं कि हमारी सभ्यता वह है जिसकी नींव सहचर की भावना और करुणा पर टिकी है। आप अपनी शक्तियों का उपयोग अपने मित्रों को यह छूट देने में नहीं कर सकते कि जनता को पीटें, गुलाम बनाएं, नरसंहार करें, ध्वंस मचाए और फिर बेझिझक होकर इसे लोकतंत्र की जीत बताएं। लेखक पीयू के सांस्कृतिक अध्ययन विभाग में प्रोफेसर एवं अध्येता हैं।

कावेरी के जल को सहेजने में ही समाधान

बेंगलुरु में जलसंकट
पंकज चतुर्वेदी

बेंगलुरु का जलसंकट इन दिनों चर्चा में है। कहा जा रहा है कि लगातार दो साल से बरसात कम हो रही है। हकीकत यह है कि स्थानीय तालाबों को सुखाने के साथ-साथ कावेरी नदी के प्रति सरकार और समाज की बेपरवाही इसके मूल में है। बेंगलुरु शहर की करीब एक करोड़ चालीस लाख आबादी के लिए हर दिन 2600 एमएलडी पानी की जरूरत है, जबकि कावेरी नदी से मात्र 1460 मिल रहा है। करीब 1200 नलकूप सूख चुके हैं। बरसात अभी कम से कम दो महीने दूर है और इसीलिए कई स्कूल-कॉलेज-दफ्तर बंद कर दिए गए। पानी के दुरुपयोग पर जुर्माने सहित कई पाबंदियां लगा दी गई हैं। किसी से छुपा नहीं कि कावेरी के जल बंटवारे को लेकर दक्षिण के दो बड़े राज्यों तमिलनाडु और कर्नाटक में जमकर सियासत तो होती है लेकिन जब उसे सहेजने की बात आती है तो उसे गंदा करने की तत्परता अधिक दिखती है। कावेरी नदी कर्नाटक के कुर्ग ज़िले के पश्चिमी घाट के घने जंगलों में ब्रह्मगिरी पहाड़ी पर स्थित तलकावेरी से निकलती है। कोई आठ सौ किलोमीटर की यात्रा के दौरान कई सहायक नदियां इसमें आकर मिलती हैं, लेकिन जब दो लाख घन मीटर से अधिक वार्षिक जल बहाव वाली कावेरी का समागम तमिलनाडु में थंजावरु ज़िले में बंगाल की खाड़ी में होता है तो यह एक शिथिल-सी छोटी-सी जल-धारा मात्र रह जाती है। कावेरी का मैला होता पानी अब ज़हर बनता जा रहा है। कुछ साल पहले बेंगलुरु विश्वविद्यालय ने वन और पर्यावरण मंत्रालय तथा राष्ट्रीय नदी संरक्षण निदेशालय-एनआरडीसी की मदद से एक शोध किया था, जिसमें बताया गया था कि कावेरी पर बने केआरएस बांध से नीचे आने वाला पानी ऊपरी धारा की तुलना में बेहद दूषित हो गया है। गौरतलब है कि केआर नगर, कौल्लेगल और श्रीरंगपट्टनम नगरों की नालियों का गंदा पानी और नंजनगौडा शहर के कारखानों व सीवर की निकासी बगैर किसी शोधन के काबिनी नदी में मिला दी जाती है। काबिनी नदी आगे चलकर नरसीपुर के पास कावेरी में मिल जाती है। कहने को कौल्लेगल में एक ट्रीटमेंट प्लांट लगा है, लेकिन इसे चलते हुए कभी नहीं देखा गया। शहरी गंदगी के बाद कावेरी को सबसे बड़ा खतरा इसके डूब क्षेत्र में हो रही अंधाधुंध खेती से है। जिसमें रासायनिक खाद व कीटनाशकों के बेतहाशा इस्तेमाल ने कावेरी का पानी ज़हर बना दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, बरसात के दिनों में कावेरी के पानी में हररोज 1,051 टन सल्फेट, 21 टन फास्फेट और 34.88 टन नाइट्रेट मिलती है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक नाइट्रोजन की इतनी मात्रा वाला पानी पीना बच्चों के लिए जानलेवा है। कौल्लेगेल क्षेत्र में शहरी सीवर के कारण कावेरी का पानी मवेशियों के लिए भी खतरनाक स्तर पर पहुंच गया। यहां पानी में कैडमियम, एल्यूमीनियम, जस्ता और सीसा की मात्रा तय स्तर को पार कर जाती है। ये नदी किनारे रहने वालों के लिए नई-नई बीमारियां लेकर आ रहे हैं। रसायनों की बढ़ती मात्रा से कावेरी नदी का खुद-ब-खुद शुद्धीकरण का गुण नाकाम हो गया। किनारों पर रेत की बेतरतीब खुदाई, कपड़ों की धुलाई आदि ने भी नदी का मिजाज बिगाड़ दिया है। कावेरी के दूषित होने की चेतावनियां सन् 1995 में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की एक रपट में दर्ज थीं कि कावेरी का पानी अपने उद्गम तालकावेरी से मैसूर शहर की सीमा तक सी ग्रेड का है, जबकि होना ए ग्रेड चाहिए। विदित हो कि ए ग्रेड के पानी की 100 मिलीलीटर मात्रा में कॉलीफार्म बैक्टीरिया की मात्रा 50 होती है, जबकि सी ग्रेड में यह खतरनाक विषाणु छह हजार होता है। वहीं पीएच वैल्यू में काफी अंतर दर्ज किया गया था। उस रिपोर्ट में यह भी बताया गया था कि केआर बांध से होगेनेग्गल तक और बेंगलुरु से ग्रेंड एनीकेट तक और उससे आगे कुंभकोणम तक पानी की क्वॉलिटी ई ग्रेड की है। इस स्तर का पानी पीने के लिए कतई नहीं होता है। तमिलनाडु के तिरुवलुर जिले के मन्नारगुडी का सीबीएम यानी कोल बेड मीथेन क्षेत्र कावेरी की जान का दुश्मन बना है। यहां गहरी खुदाई के लिए और उसके बाद वहां से निकलने वाले कोयले को नदी के पानी से साफ किया जाता है और इस तरह दूषित जल सीधे नदी में फिर बहा दिया जाता है, तभी मन्नारगुडी के आस-पास कई किलोमीटर तक नदी का पानी काला-नीला दिखता है।

सिंचाई, सफाई और सियासत के भंवर में फंसी 770 किलोमीटर लंबी कावेरी की सबसे ज्यादा दुर्गति कर्नाटक के कुर्ग जिले में ही है। यह इलाका काफी उत्पादक है और सरकारी रिकॉर्ड कहता है कि चार लाख पचहत्तर हजार टन कॉफी का कचरा सीधे नदी में जा रहा है। कुर्ग शहर की एक लाख आबादी का पूरा सीवेज बगैर सफाई के नदी में मिलता है। इसमें हजारों बूचड़खानों का गंदा पानी भी है। कुछ समय पहले प्रख्यात अंतरिक्ष वैज्ञानिक और राज्य ज्ञान आयोग के अध्यक्ष ने राज्य शासन को एक रपट सौंपी थी, जिसमें कावेरी को प्रदूषण मुक्त करने के लिए त्वरित प्रयास करने व उसके लिए अलग बजट की बात की थी।

रपट में बताया गया था कि कावेरी के किनारे कई पर्यटन स्थल नदियों में गंदगी बढ़ा रहे हैं, वहीं रेत खनन इसके अस्तित्व के लिए खतरा बन रहा है। जब बेंगलुरु जैसे महानगर और व्यापारिक केंद्र पर जलसंकट आता है तो कावेरी की याद आती है। कावेरी को हर समय याद रखा जाए तो प्यास की नौबत ही नहीं आएगी।

विचार मंथन

चुनावी बांड की जानकारी देने मे स्टेट बैंक की आनाकानी

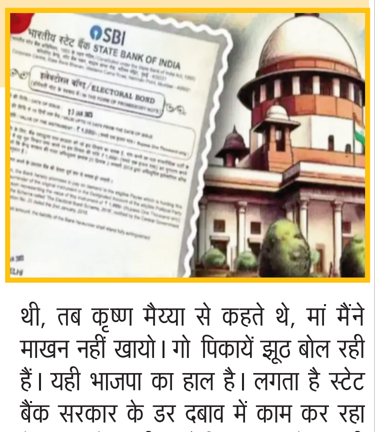

(लेखक - सनत जैन)

सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट आदेश के बाद भी स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया चुनावी बांड की जानकारी देने में लगातार आनाकानी कर रहा है। स्टेट बैंक द्वारा चुनाव आयोग को अभी तक यूनिक नंबर की जानकारी नहीं दी गई है। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को इस मामले में फिर से सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने स्टेट बैंक को कड़े शब्दों में कहा, चुनावी बांड से संबंधित सभी जानकारी सार्वजनिक करें।राजनीतिक दलों द्वारा भी चुनावी बांड से मिले चंदे की जानकारी पूरी तरह से नहीं दी जा रही है। द्रमुक, अन्नाद्रमक

राकापा, जनता दल जैसी क्षेत्रीय पार्टियों ने जरूर बांड से मिले चंदे की जानकारी दी है। अन्य राजनीतिक दल जिसमें भारतीय जनता पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने कुछ जानकारी तो दी है। उन्हें चुनावी बांड से कितना चंदा मिला है। किसने कितना चंदा दिया है, इसकी जानकारी उजागर नहीं की है। अभी तक स्टेट बैंक द्वारा यूनिक कोड की जानकारी नहीं दिए जाने से चुनाव चंदा किस पार्टी को किससे मिला है। इसका मिलान नहीं किया जा सका है। कांग्रेस ने इस बारे में कहा है, कि स्टेट बैंक आफ इंडिया ही यह जानकारी देने में सक्षम है। जिन्होंने कांग्रेस को बांड से चंदा दिया है। उन्होंने अपना नाम उजागर नहीं किया है। भारतीय जनता पार्टी ने भी लोक प्रतिनिधित्व कानून 1951 और आयकर अधिनियम की धारा 1960 के तहत चुनावी चंदा मिला है। उनसे भी जानकारी देने से मना कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद चुनाव आयोग ने सभी राजनीतिक दलों को चुनावी बांड से मिली जानकारी को साझा करने के निर्देश जारी किए थे। भारतीय स्टेट बैंक द्वारा जो जानकारी चुनाव आयोग को उपलब्ध कराई गई है। वह टुकड़े-टुकड़े में होने, तथा आधी अधूरी होने से चुनावी बांड से संबंधित पूरी जानकारी निकलकर सामने नहीं आ पा रही है। स्टेट बैंक द्वारा जो जानकारी बंद लिफाफे में सुप्रीम कोर्ट को दी गई थी। स्टेट बैंक ने अब उसे उजागर कर दिया है। उस जानकारी को चुनाव आयोग ने वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। भारत में 523 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल हैं। उसमें से एक दर्जन राजनीतिक दलों को ही चुनावी बांड से चंदा मिला है। गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों ने चुनाव चंदे की जानकारी चुनाव आयोग के साथ साझा की है। पंजीकृत राष्ट्रीय राजनीतिक दलों ने इस मामले में अभी भी आनाकानी की जा रही है। चुनाव आयोग द्वारा 17 मार्च रविवार को चुनावी बांड और उसके बारे में राजनीतिक दलों से किए गए पत्र व्यवहार का ब्यौरा सार्वजनिक कर दिया है। 2017 से लेकर अभी तक चुनावी चंदे को लेकर जो अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई थी। अब वह धीरे-धीरे साफ होती नजर आ रही है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर स्टेट बैंक द्वारा जब बांड के यूनिक नंबर की जानकारी उजागर कर दी जाएगी। उसके बाद सारी स्थितियां स्पष्ट हो सकेगी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी जिस तरह से स्टेट बैंक जानकारी देने में आनाकानी कर रहा है। यह आश्चर्यजनक है। सुप्रीम कोर्ट ने अभी तक अवमानना मामले में स्टेट बैंक के ऊपर कोई ठोस कार्रवाई नहीं करने के कारण, स्टेट बैंक जानकारी देने में तरह-तरह के खेल कर रहा है। इससे सुप्रीम कोर्ट की साख पर भी असर पड़ रहा है। लोकसभा चुनाव की घोषणा हो चुकी है। चुनावी चंदे का जो पिटारा खुला है। वह मतदाताओं पर क्या असर डालता है। राजनीतिक दलों पर इसका क्या असर पड़ेगा। अभी यह कहना मुश्किल है।चुनावी चंदे ने मतदाताओं के सामने चुनावी बांड के चंदे के इस खेल को जरूर उजागर कर दिया है। यह इसी तरह का कृत्य है जैसे कृष्ण भगवान गो पियों की मटकी से मक्खन चोरी करके खाते थे। जब शिकायत होती थी, तब कृष्ण मैय्या से कहते थे, मां मैंने माखन नहीं खायो। गो पिकायें झूठ बोल रही हैं। यही भाजपा का हाल है। लगता है स्टेट बैंक सरकार के डर दबाव में काम कर रहा है। एक और सुप्रीम कोर्ट का दबाव है। दूसरी ओर सरकार का दबाव बना हुआ है। इस मामले में सबसे ज्यादा मुसीबत स्टेट बैंक की ही होने जा रही है। जल्द ही सुप्रीम कोर्ट का डंडा स्टेट बैंक पर चलना तय माना जा रहा है।

भारत की मौजूदा आर्थिक तेजी का दौर 2003-07 जैसा: मॉर्गन स्टैनली

नई दिल्ली । निवेश के बल पर आगे बढ़ रही भारत की वर्तमान ओ थिंक वृद्धि की रफ्तार 2003-07 जैसी दिखाई दे रही है। उस समय आर्थिक वृद्धि दर औसतन 8 प्रतिशत से अधिक थी। मॉर्गन स्टैनली के अर्थशास्त्रियों ने यह बात कही है। मॉर्गन स्टैनली ने एक रिपोर्ट में कहा कि एक दशक तक जीडीपी के मुकाबले निवेश में लगातार गिरावट के बाद अब भारत में पूंजीगत व्यय वृद्धि के प्रमुख चालक के रूप में उभरा है। रिपोर्ट के मुताबिक हमें लगता है कि पूंजीगत व्यय चक्र के लिए पर्याप्त गुंजाइश है और इसलिए वर्तमान तेजी 2003-07 के समान है। मॉर्गन स्टैनली के अर्थशास्त्रियों ने कहा कि वर्तमान तेजी खपत की तुलना में निवेश बढ़ने के चलते है। शुरुआत में इसे सार्वजनिक पूंजीगत व्यय से समर्थन मिला, लेकिन निजी पूंजीगत व्यय में भी वृद्धि हो रही है। इसी तरह खपत को पहले शहरी उपभोक्ताओं ने सहारा दिया और बाद में ग्रामीण मांग भी बढ़ी। वैश्विक निर्यात में बाजार हिस्सेदारी बढ़ने और व्यापक आर्थिक स्थिरता से भी अर्थव्यवस्था को समर्थन मिला है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हमारा मानना है कि मौजूदा तेजी जीडीपी के मुकाबले निवेश बढ़ने से है।

भारतीय स्टार्टअप इस साल 8-12 अरब डॉलर जुटाएगा - पीक एक्सवी

नई दिल्ली । उद्यम पूंजी फर्म पीक एक्सवी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने सोमवार को कहा कि भारतीय स्टार्टअप इस साल 8-12 अरब डॉलर जुटाने पर विचार कर रहा है। उन्होंने यहां आयोजित स्टार्टअप महाकुंभ में कहा कि देश का स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र दुनिया में सबसे जीवंत है। लगभग 20 अरब अमेरिकी डॉलर की निजी पूंजी बिना निवेश के पड़ी है और वह भारत में निजी फर्मों और स्टार्टअप में निवेश के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि 2021 से पहले भारतीय स्टार्टअप में निवेश की राशि लगभग 8-10 अरब डॉलर थी, जो 2021 और 2022 में संयुक्त रूप से बढ़कर 60 अरब डॉलर हो गई। पिछले साल यह सात अरब डॉलर थी, जिसे लोगों ने कम कहा। यह शून्य भी हो सकती थी, क्योंकि छह साल का वित्त पोषण दो साल में मिल गया था। इस साल हम 8-10 या 12 अरब डॉलर की राह पर हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के लिए हर साल 10 अरब डॉलर या लगभग 80,000 करोड़ रुपये का वित्त पोषण पर्याप्त है। उन्होंने कहा कि आज भारत में करीब 20 स्टार्टअप हैं, जो शेयर बाजार में सूचीबद्ध हैं और अगले 7-8 वर्षों में इनकी संख्या बढ़कर 100 तक पहुंचने की उम्मीद है।

बेटरप्लेस ने कौशल विकास के लिए यूपी सरकार से समझौता किया

नई दिल्ली । ग्राहक सेवा से सीधे जुड़े कर्मचारियों का प्रबंधन करने वाली कंपनी बेटरप्लेस ने कहा कि उसने 2025 तक एक लाख लोगों के कौशल विकास के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के साथ समझौता किया है। कंपनी ने कहा कि इनमें कम से कम 25 प्रतिशत महिलाएं होंगी। बयान के मुताबिक बेटरप्लेस ने उत्तर प्रदेश सरकार के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता विभाग के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौते के तहत बेटरप्लेस के डिजिटल लर्निंग मंच की मदद से ग्राहक सेवा से सीधे जुड़े कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। बेटरप्लेस के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि इस प्रशिक्षण की मदद से कर्मचारियों को भविष्य की जरूरत के अनुसार खुद को तैयार करने में मदद मिलेगी।

चीन की अर्थव्यवस्था में सुधार के संकेत

हांगकांग (ईएमएस)। चीन के विनिर्माण और निवेश में 2024 के पहले दो महीनों में सुधार हुआ है, जबकि रियल एस्टेट क्षेत्र अभी भी कमजोर बना हुआ है। चीन के राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो ने एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया कि जनवरी-फरवरी में औद्योगिक उत्पादन सालाना आधार पर सात प्रतिशत बढ़ा। यह आंकड़ा विश्लेषकों के अनुमान से बेहतर है। इस दौरान कारखानों और उपकरणों पर खर्च 4.2 प्रतिशत बढ़ गया। दूसरी ओर जनवरी-फरवरी में रियल एस्टेट क्षेत्र सुस्त रहा और इसमें पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले नौ प्रतिशत की गिरावट हुई। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के एक प्रवक्ता ने संवाददाताओं से कहा कि संपत्ति बाजार अभी भी समायोजन और बदलाव के दौर से गुजर रहा है, लेकिन इस महीने की शुरुआत में चीन के वार्षिक विधायी सत्र में घोषित नीतियों से स्थिर और स्वस्थ वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। इन नीतियों में डेवलपर्स के लिए वित्तपोषण बढ़ाने और अधिक किफायती आवास बनाने की बात शामिल है।

स्मार्टफोन वीवो टी3 भारत में होगा जल्द लॉन्च

-मिल सकती है 44वॉट की फ्लैश चार्जिंग

नई दिल्ली ।

भारत में जल्द मिड-रेंज 5जी स्मार्टफोन वीवो टी3 लॉन्च किया जाएगा। आने वाला ये फोन कंपनी के वीवो टी2 5जी के सक्सेसर के रूप में आएगा, और उम्मीद की जा रही है कि इसे 20,000 रुपये से कम दाम में पेश किया जाएगा। फ्लिपकार्ट पर इस फोन का टीज़र जारी कर दिया गया है, और इसकी लैंडिंग पेज पर लिखा है, 'कमिंग सुन '। बैनर के साथ-साथ फोन की झलक को भी देखा जा सकता है। ऐसा कहा जा रहा है कि वीवो टी3 5जी फ्लैट एज डिज़ाइन के साथ आता है और इसके क्रिस्टल फ्लैक और कॉस्मिक ब्लू कलर वेरिएंट में आने की बात कही गई है। वीवो टी3 5जी के फीचर्स को लेकर कंपनी ने तो कोई ऑफियल जानकारी नहीं दी है, लेकिन ऐसी उम्मीद है कि फोन 6.67-इंच के अमोलेड डिस्प्ले के साथ आएगा और इसमें 120एचझेड रिफ्रेश रेट मिलेगा। फोन फुल-एचडी+ रेज़ोलूशन और 1800 निट्स की पीक ब्राइटनेस को सपोर्ट कर सकता है। पावर के लिए वीवो के आने वाले फोन में 5000 एमएएच की बैटरी दी जा सकती है और इसमें 44 वॉट फ्लैश चार्ज होने की उम्मीद है।

स्मार्टफोन डुअल स्पीकर सेटअप और स्पलैश और धूल से बचाव के लिए फोन में आईपी 54 रेटिंग मिल सकती है।फोन को पावर देने वाला ऑक्टा-कोर मीडियाटेक डाइमेंशन 7200 प्रोसेसर 8जीबी रैम के साथ होने की उम्मीद है।कैमरे के तौर पर वीवो टी3 5जी में ऑप्टिकल इमेज स्टेबिलाइज़ेशन (ओआईएस) के साथ 50 मेगापिक्सल का प्राइमरी कैमरा और 2 मेगापिक्सल का दूसरा कैमरा हो सकता है, जबकि सेल्फी के लिए फोन में 16 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा होने की उम्मीद की जा रही है।

रुपया दो पैसे बढ़कर 82.84 पर

मुंबई । विदेशी कोषों की आवक के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती सत्र में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले दो पैसे बढ़कर 82.84 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और घरेलू शेयर बाजारों में सुस्ती के चलते शुरुआती कारोबार में रुपये की बढ़त सीमित रही। इस दौरान स्थानीय मुद्रा डॉलर के मुकाबले 82.83 से 82.84 के दायरे में रही। रुपया शुक्रवार को 82.86 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 103.43 पर सपाट कारोबार कर रहा था। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.35 प्रतिशत बढ़कर 85.64 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था।

अमेरिका को भारत का स्मार्टफोन निर्यात बढ़कर 3.53 अरब डॉलर पहुंचा

वाशिंगटन। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-दिसंबर के दौरान अमेरिका को भारत का स्मार्टफोन निर्यात बढ़कर 3.53 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, जो वित्त वर्ष 2022-23 की समान अवधि में 99.8 करोड़ अमेरिकी डॉलर था। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-दिसंबर के दौरान स्मार्टफोन के निर्यात में भारत की हिस्सेदारी बढ़कर 7.76 प्रतिशत हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में दो प्रतिशत थी। एक अधिकारी ने कहा कि स्मार्टफोन विनिर्माण में वृद्धि से निर्यात को बढ़ावा मिला। इसके साथ ही भारत, अमेरिका का तीसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन निर्यातक बन गया है। पहले स्थान पर चीन और दूसरे स्थान पर वियतनाम हैं। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों के दौरान अमेरिका को किए जाने वाले स्मार्टफोन निर्यात में चीन और वियतनाम की हिस्सेदारी घटी है। शीर्ष पांच आपूर्तिकर्ताओं से अमेरिका को स्मार्टफोन निर्यात अप्रैल-दिसंबर 2023 में घटकर 45.1 अरब डॉलर रह गया, जो अप्रैल-दिसंबर 2022 में 49.1 अरब डॉलर था। चीन ने समीक्षाधीन अवधि में अमेरिका को 35.1 अरब डॉलर के स्मार्टफोन का निर्यात किया, जो इससे पिछले साल की समान अवधि में 38.26 अरब डॉलर था। इसी तरह वियतनाम का अमेरिका को निर्यात घटकर 5.47 अरब

भारी उतार-चढ़ाव के बीच हरे निशान पर बंद हुआ बाजार

टाटा स्टील के शेयर में आया बंपर उछाल

मुंबई ।

बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी सोमवार को उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में मामूली बढ़त के साथ हरे निशाना पर बंद हुए। निवेशक इस सप्ताह यूएस फेडरल रिजर्व के इंटरेस्ट रेट को लेकर फैसले और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों को देखते हुए सतर्क दिख रहे हैं। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सोमवार को 104.99 अंक की बढ़त लेकर 72,748.42 अंक पर बंद हुआ। दिन के कामकाज के दौरान यह 72,985.89 के शीर्ष और 72,314.16 के निचले स्तर तक चला गया था। इस तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी-50 भी 32.35 अंक की बढ़त के साथ 22,055.70 अंक के लेवल पर बंद हुआ।

सोमवार को सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा स्टील ने 5 प्रतिशत से ज्यादा की छलांग लगाई। साथ ही महिंद्रा एंड महिंद्रा, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा मोटर्स, एक्सिस बैंक, सन फार्मा, रिलायंस

इंडस्ट्रीज और मारुति अन्य सबसे बड़े लाभ में रहे। दूसरी तरफ, इंफोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाइटन, विप्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और नेस्ले के शेयर लाल निशान में बंद हुए। इसके अलावा ऑटो, मेटल, कमोडिटी और हेल्थकेयर शेयरों में तेजी आई जबकि आईटी और टेक शेयरों को नुकसान का सामना करना पड़ा।

एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया सियोल, जापान का टोक्यो, चीन का शंघाई और हांगकांग के शेयर बाजार बढ़त में बंद हुए। स्टॉक एक्सचेंज डेटा के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 848.56 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी।

फ्लिपकार्ट का मूल्यांकन दो साल में 41,000 करोड़ घटा

नई दिल्ली ।

ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट का मूल्यांकन दो साल में पांच अरब अमेरिकी डॉलर (लगभग 41,000 करोड़ रुपये) घट गया है। फ्लिपकार्ट में वॉलमार्ट के इक्विटी ढांचे में बदलाव के अनुसार ई-कॉमर्स कंपनी का मूल्यांकन 31 जनवरी, 2022 को समाप्त वित्त वर्ष में 40 अरब डॉलर था, जो 31 जनवरी, 2024 को घटकर 35 अरब डॉलर रह गया। फ्लिपकार्ट ने मूल्यांकन में गिरावट की वजह वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी फोनपे को अलग कंपनी के रूप में विभाजित करने को बताया है।सूत्रों का कहना है कि फ्लिपकार्ट का मौजूदा मूल्यांकन 38-40 अरब डॉलर के बीच है। वॉलमार्ट ने वित्त वर्ष 2021-22 में फ्लिपकार्ट में आठ प्रतिशत हिस्सेदारी को 3.2 अरब डॉलर में बेचा था। इस हिसाब से ई-कॉमर्स कंपनी का मूल्यांकन 40 अरब डॉलर बैठता है। वित्त वर्ष 2023-24 में अमेरिकी खुदरा क्षेत्र की दिग्गज ने 3.5 अरब डॉलर का भुगतान कर कंपनी में अपनी हिस्सेदारी 10 प्रतिशत बढ़ाकर 85 प्रतिशत कर दी। इसके आधार पर फ्लिपकार्ट का उद्यम मूल्य 35 अरब डॉलर बैठता है। हालांकि, फ्लिपकार्ट ने वॉलमार्ट की रिपोर्ट के अनुसार मूल्यांकन में दिखाई गई कमी को खारिज करते हुए कहा है कि यह कंपनी के मूल्यांकन में उचित

समायोजन की वजह से है। फ्लिपकार्ट के प्रवक्ता ने कहा कि यह व्याख्या गलत है। फोनपे को अलग करने का काम 2023 में पूरा हुआ था। इससे फ्लिपकार्ट के मूल्यांकन में उचित समायोजन हुआ।

एक साल में भारतीय रेलवे की आय 17,000 करोड़ बढ़ी

नई दिल्ली । भारतीय रेलवे बीते कुछ सालों से जमकर कमाई कर रही है। इस वित्त वर्ष 2023-24 की बात करें तो रेलवे ने माल ढुलाई, कुल राजस्व, ट्रैक बिछाने के मामले में रिकॉर्ड बनाने की राह पर है। आंकड़ों पर नजर डालें तो वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, भारतीय रेलवे का कुल राजस्व अब तक 2.40 लाख करोड़ रुपये है। कमाई की ये आंकड़ा पिछले साल 15 मार्च को 2.23 लाख करोड़ रुपये था। यानी की एक साल में भारतीय रेलवे ने कुल राजस्व में करीब 17,000 करोड़ की वृद्धि दर्ज की है। वहीं वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय रेल का कुल व्यय 2.26 लाख करोड़ रुपये है। रेलवे से मिले प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार भारतीय रेल ने शुक्रवार को 1,500 मिलियन टन की मूल माल ढुलाई की है। बीते साल ये आंकड़ा 1,512 मिलियन टन था। आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान रेलवे से सफर करने वाले यात्रियों की संख्या 648 करोड़ है। जो कि पिछले साल से 52 करोड़ अधिक है। पिछले वर्ष यात्रा करने वाले यात्रियों की कुल संख्या 596 करोड़ थी। वित्तीय वर्ष में अब तक भारतीय रेल द्वारा 5,100 किलोमीटर नई रेलवे ट्रैक बिछाई गई है।

भारत के लिए फायदे का सौदा साबित हो रही वैश्विक खिलौना कंपनियां

नई दिल्ली ।

खिलौना विनिर्माण क्षेत्र में चीन के लिए जो बात नुकसान वाली हो सकती है, वह भारत के लिए फायदे का सौदा साबित हो रही है। भारत के खिलौना उद्योग ने वित्त वर्ष 15 और वित्त वर्ष 23 के बीच तेजी से प्रगति की है और निर्यात में 239 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई तथा आयात में 52 प्रतिशत तक की गिरावट आई। इसके परिणामस्वरूप देश शुद्ध निर्यातक बन गया। भारत में खिलौनों की बिक्री के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की मंजूरी जरूरी होना, संरक्षणवाद, चीन-प्लस-वन रणनीति और मूल सीमा शुल्क बढ़ाकर 70 प्रतिशत किए जाने से भारत के खिलौना उद्योग में तेजी आई है। उद्योग के भागीदारों के अनुसार हालांकि हैस्ब्रो, मैटल, स्पिन मास्टर और अर्ली लर्निंग सेंटर जैसे वैश्विक ब्रांड आपूर्ति के लिए देश पर अधिक निर्भर हैं, लेकिन इटली की दिग्गज कंपनी ड्रीम प्लास्ट, माइक्रोप्लास्ट और इंकास जैसी प्रमुख विनिर्माता अपना ध्यान धीरे-धीरे चीन से भारत पर केंद्रित कर रहीं हैं। बीआईएस के नियमन से पहले खिलौनों के लिए भारत की चीन पर 80 प्रतिशत निर्भरता थी, जो अब कम हो गई है। आज कई कंपनियों ने भारत में अपना आधार तैयार किया है। कंपनी हैसब्रो, स्पिन मास्टर, अर्ली लर्निंग सेंटर, फ्लेयर और डूमोंड पार्क गेम्स जैसी अंतरराष्ट्रीय खिलौना कंपनियों को भी आपूर्ति करती है। कंपनी द्वारा उत्पादित करीब 60 प्रतिशत उत्पाद अब निर्यात बाजारों की जरूरतें पूरी कर रहे हैं, जिनमें अमेरिका में जीसीसी, यूरोप के 33 देश शामिल हैं।

5 स्टार सेफ्टी रेटिंग के साथ आ रही टाटा पंच

ग्राहक माइलेज के साथ सेफ्टी रेटिंग पर भी दे रहे ध्यान

नई दिल्ली ।

अगर आप एक नई कार खरीदने के बारे में सोच रहे हैं तो आपको भी सेफ्टी और एसयूवी पहली पसंद है। साथ ही आपका बजट भी अगर ज्यादा नहीं है तो हम यहां आपको एक ऐसे मॉडल के बारे में बताने जा रहे हैं, जो 5 स्टार सेफ्टी रेटिंग के साथ आता है और ये एक एसयूवी भी है। दरअसल, हम यहां टाटा पंच के बारे में बात कर रहे हैं। ये भारत की सबसे सस्ती 5 स्टार रेटिंग वाली एसयूवी है। इस कार को ग्लोबल एनकैप से 5 स्टार सेफ्टी रेटिंग मिली है। इसकी कीमत की बात करें तो ये बाजार में 6.13 लाख रुपये से लेकर 10.20 लाख रुपये (एक्स-शोरूम, दिल्ली) के बीच की कीमत में मिलती है। ये प्योर एडवेंचर, अकोंप्लीस्ड और क्रिएटिव वाले चार ब्रॉड वेरिएंट्स में आती है।टाटा की इस माइक्रो एसयूवी में 5 पैसेंजर्स बैठ सकते हैं और इसका बूट स्पेस 366 लीटर है। वहीं, इसमें 187 एमएम का ग्राउंड क्लीयरेंस भी मिलता है। सेफ्टी फीचर्स की बात करें तो इसमें डुअल फ्रंट एयरबैग्स, ईबीडी के साथ एबीएस, रियर पार्किंग सेंसर, एक रियर-व्यू कैमरा, एक टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (टीपीएमएस), और इसोफिक्स एंकर्स जैसे फीचर्स मिलते हैं। इसके अलावा इसमें कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी के साथ 7-इंच टचस्क्रीन डिस्प्ले, 7-इंच सेमी-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट पैनल, ऑटोमैटिक एसी और क्रूज़ कंट्रोल जैसे फीचर्स भी मिलते हैं। इंजन की बात करें तो इसमें 1.2-लीटर पेट्रोल इंजन मिलता है। जो (88 पीएस की पावर और 115 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इसमें 5-स्पीड मैनुअल और 5-स्पीड एएमटी का ऑप्शन मिलता है। इसका सीएनजी वेरिएंट इसी इंजन को यूज करता है और इसमें केवल 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स का ऑप्शन मिलता है। ये सीएनजी मोड 73.5 पीएस की पावर और 103 एनएम टॉर्क जनरेट करता है।

सोना-चांदी के कारोबार की सुस्त शुरुआत

-सोना 65,250 और चांदी 75,250 रुपए के करीब

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत सुस्त रही। दोनों के वायदा भाव गिरावट साथ खुले। सोना 65,250 हजार रुपये और चांदी 75,250 रुपये के करीब कारोबार कर रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई, जबकि चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। लेकिन बाद में सुस्त पड़ गए। सोने के वायदा भाव में सोमवार को सुस्ती देखी जा रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 94 रुपये की गिरावट के साथ 65,348 रुपये के भाव पर खुला और 283 रुपये की गिरावट के साथ 65,259 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 65,395 रुपये के भाव पर दिन का उच्च स्तर और 65,250 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने इस महीने 66,356 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया।चांदी के वायदा भाव की शुरूआत गिरावट के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 150 रुपये की गिरावट के साथ 75,400 रुपये के भाव पर खुला जो 387 रुपये की गिरावट के साथ 75,263 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट और चांदी वायदा भाव की तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,159.89 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,161.50 डॉलर था। फिलहाल यह 7.60 डॉलर की गिरावट के साथ 2,153.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 25.40 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 25.38 डॉलर था। फिलहाल यह 0.12 डॉलर की गिरावट के साथ 25.25 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में सोमवार को डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.01 फीसदी की गिरावट के साथ 81.03 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 0.06 फीसदी की गिरावट के साथ 85.29 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। बता दें कि तेल कंपनियों ने 15 मार्च से पेट्रोल और डीजल की कीमत में 2 रुपये की कटौती की है। वहीं लक्षवद्वीप में पेट्रोल और डीजल 15 रुपये तक सस्ता हो गया है। हालों कि पेट्रोल-डीजल में कोई बदलाव नहीं दिखाई दे रहा है। राजधानी दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.15 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। नोएडा में पेट्रोल 94.83 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.96 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.05 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरुपेट्रोल 99.84 रुपये प्रति लीटर और डीजल 85.93 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.65 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 105.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.65 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय हॉकी टीम में जगह बनाना चाहते हैं अराइजीत

नई दिल्ली । ड्रैग फ्लिकर और स्ट्राइकर अराइजीत सिंह हुंडल पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय हॉकी टीम में जगह बनाना चाहते हैं। उनके दादा और पिता भी हॉकी खिलाड़ी थे पर राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं बना पाये थे। अब अराइजीत इस सपने को पूरा करना चाहते हैं। अराइजीत ने कहा, 'अगर मैं पेरिस ओलंपिक टीम में जगह बना पाता हूं तो हमारे घर पर जश्न का माहौल रहेगा। सबके चेहरे पर ऐसी खुशी होगी जो मैंने भी कभी नहीं देखी होगी। मैं भी वैसी खुशी देखना चाहता हूं और टीम में जगह के लिए पूरी ताकत लगा दूंगा। अराइजीत अभी ओलंपिक तैयारियों के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले भुवनेश्वर में जारी राष्ट्रीय शिविर में अभ्यास कर रहे हैं। इस खिलाड़ी ने इस साल दक्षिण अफ्रीका दौरे से सीनियर टीम में पदार्पण किया था। 20 साल के इस खिलाड़ी ने दिसंबर में कुआलालम्पुर में खेले गए जूनियर विश्व कप में कोरिया के खिलाफ एक हैट्रिक सहित भारत की ओर से सबसे अधिक चार गोल किए थे। उन्होंने कहा, 'मेरे परिवार का सपना है कि मैं ओलंपिक खेलूं। दादाजी हॉकी खेलते थे। पापा के तीन भाई थे और सभी राष्ट्रीय स्तर पर हॉकी खेले हैं। सभी को हॉकी के आधार पर ही नौकरी मिली पर भारतीय टीम में कोई जगह नहीं बना सका। उन्होंने कहा, 'मेरे पापा 1999 में राष्ट्रीय शिविर में थे लेकिन पारिवारिक कारणों से उन्हें बीच में शिविर छोड़कर जाना पड़ा।

इंडियन वेल्स

लगातार दूसरी बार चैंपियन बने अल्कराज

कैलिफोर्निया।

इंडियन वेल्स ओपन फाइनल में कार्लोस अल्कराज ने डेनियल मेदवेदेव को 7-6(5), 6-1 से हराकर अपनी ट्रॉफी का बचाव किया, जबकि इगा स्वीयाटेक ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी सेट गंवाए बिना मारिया सक्कारी को 6-4, 6-0 से हराकर अपने करियर का 20वां खिताब जीता। कार्लोस अल्कराज के लिए, अपने खिताब की रक्षा करने की यात्रा चुनौतियों से भरी थी। टखने की समस्या से जूझ रहे युवा स्पैनियार्ड को फाइनल में डेनियल मेदवेदेव के खिलाफ एक कठिन लड़ाई का सामना करना पड़ा। फाइनल मैच में एक मुश्किल शुरुआती सेट के बाद अल्कराज ने शानदार कमबैक किया। इस सेट में मेदवेदेव 6-5 से आगे थे। हालांकि, अल्कराज ने टाई-ब्रेक के जरिए वापसी करते हुए 7-5 से बढ़त हासिल की। दूसरे सेट में मैच की कहानी अलग दिखी और अल्कराज ने विश्व नंबर 4 को हराते हुए बर्ष का अपना पहला खिताब जीता। साथ ही ये उनका पिछली गर्मियों में विंबलडन के बाद पहला खिताबी जीत भी है। अल्कराज इंडियन वेल्स ताज का सफलतापूर्वक बचाव करने वाले केवल छठे खिलाड़ी हैं। साथ ही 2016 में नोवाक जोकोविच के बाद इंडियन वेल्स में लगातार दो बार जीतने वाले पहले खिलाड़ी हैं। अपनी शानदारक जीत पर अल्कराज ने हर चुनौतियों पर डटे रहने और इंडियन वेल्स के भव्य मंच पर इस क्षण का लाभ उठाने के लिए सबका आभार व्यक्त किया। उनकी जीत न केवल टेनिस जगत में एक उभरते सितारे के रूप में उनकी स्थिति को मजबूत करती है, बल्कि दृढ़ता और आत्म-विश्वास की शक्ति के प्रमाण को भी दर्शाती है। अल्कराज ने कहा, मैं अभी बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं, यह टूर्नामेंट मेरे लिए बहुत मायने रखता है। यहां खेलना मेरे लिए बहुत खास है लेकिन मुझे लगता है कि यह साल कुछ ज्यादा ही खास है क्योंकि टूर्नामेंट से पहले मैं सोच रहा था कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ खेल पाऊंगा या नहीं। मैं टखने की चोट के कारण अच्छा महसूस नहीं कर रहा था। इसलिए मेरे मन में बहुत संदेह था, लेकिन मैं उन समस्याओं से उबरने में सक्षम होने और अंत में बेहतर महसूस करने से वास्तव में खुश था। महिलाओं के फाइनल में, इगा स्वीयाटेक ने मारिया सक्कारी पर दो सीधे सेटों में शानदार जीत के साथ महिला सर्किट पर अपना दबदबा दिखाया युवा खिलाड़ी स्वीयाटेक ने शुरुआत में ही 3-0 की बढ़त बना ली, लेकिन सक्कारी ने अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए वापसी की और अपने प्रतिद्वंद्वी के लिए खतरा पैदा करना शुरू कर दिया। इसके बाद ग्रीक खिलाड़ी ने स्वीयाटेक के साथ स्कोर 3-3 से बराबर कर दिया और फिर मैच यहां से बढ़कर 4-4 की बराबरी पर गया। कुल मिलाकर दोनों खिलाड़ियों ने एक दूसरे को कड़ी चुनौती दी। लेकिन अंत में, पोलैंड के उभरते सितारे ने पहला सेट 6-4 से जीत लिया।

मंधाना ने डब्लूयूपीएल खिताब जीतकर अहम उपलब्धि अपने नाम की

नई दिल्ली ।

स्मृति मंधाना ने अपनी कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) को महिला प्रीमियर लीग (डब्लूपीएल) खिताब जिताकर एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। वहीं विराट कोहली की कप्तानी में पुरुष टीम एक बार भी ये खिताब नहीं जीत पायी थी। फाइनल से पहले मंधाना ने कहा था कि जो आरसीबी की पुरुष टीम के साथ हुआ है। उससे उनकी तुलना न करें दोनो ही बातें अलग हैं। आरसीबी ने मंधाना को तीन करोड़ 40 लाख रुपये में अपने साथ जोड़ा था। वह महिला आईपीएल में बिकने वाली सबसे महंगी खिलाड़ी हैं जिसका लाभ अब टीम को खिताब के रुप में मिला है। मंधाना की नेट वर्थ करीब 33 करोड़ रुपए के आस पास है। मंधाना को बीसीसीआई से सालाना 50 लाख रुपये का रिटेनर मिलता है। इसके अलावा इस क्रिकेटर को प्रत्येक टेस्ट, एकदिवसीय और टी20ई के लिए 4 लाख, 2 लाख और 2.5 लाख रुपये मिलते हैं। मंधाना को ब्रांड एनडोर्समेंट से भी अच्छी कमाई होती है। वह बूस्ट, हीरो मोटोकॉर्प जैसी और भी कंपनी का विज्ञापन करते हुए भी नजर आती है। मंधाना ने टेस्ट मैच में डेब्यू साल 2014 में इंग्लैंड के खिलाफ किया था। इसमें उन्होंने टीम को जिताने में मदद की थी जबकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय मैच में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय शतक लगाया। उन्होंने एकदिवसीय में डेब्यू बांग्लादेश के खिलाफ 10 अप्रैल 2013 को किया था।

केकेआर में सभी के साथ समान व्यवहार होगा : गंभीर

कोलकाता ।

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मैंटोर गौतम गंभीर ने आईपीएल 2024 से ठीक पहले अपनी टीम का हौसला बढ़ाया है। गंभीर की कप्तानी में टीम ने दो बार खिताब जीता था। अब अनका लक्ष्य टीम को तीसरा खिताब जिताना है। गंभीर ने अपनी टीम से जुड़ने के बाद कहा कि टीम में सीनियर जूनियर जैसा कोई सवाल नहीं हैं और सभी समान हैं। केकेआर द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में गंभीर ने कहा कि यह कुछ ऐसा है जो बहुत, बहुत अहम है। इसलिए जो लोग मेरे साथ खेले हैं, वे मेरे बारे में एक बात जानते होंगे, कि इस समूह में सभी के साथ समान व्यवहार किया जाएगा। कोई सीनियर जूनियर नहीं है। कोई घरेलू, अंतरराष्ट्रीय नहीं है। गंभीर ने कहा कि हम इस सत्र में अपनी ओर से सभी प्रयास करेंगे। यह एक बहुत ही गौरवान्वित और सफल फ्रेंचाइजी है। आप लोग एक बहुत ही सफल फ्रेंचाइजी का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। सुनिश्चित करें कि आप उसी तरह से प्रशिक्षण लेते हैं, आप उस तरह से खेलते हैं और आप मैदान के चारों ओर उसी तरह का रवैया अपनाते हैं। यह बहुत, बहुत महत्वपूर्ण होने वाला है। और एक बात जिस पर मैं पूरी तरह विश्वास करता हूं वह है खिलाड़ियों को पूरी आजादी देना। गंभीर ने कहा कि हमें एक मिशन मिला है और वह है इस आईपीएल को जीतना है। इसलिए हर किसी को उस एक सरल मार्ग का अनुसरण करने की आवश्यकता है।

आरसीबी ने दिल्ली कैपिटल्स को हराकर डब्लूपीए खिताब जीता

नई दिल्ली।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) खिताब जीत लिया है। आरसीबी ने खिताबी मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को आठ विकेट से हराकर ये खिताब अपने नाम किया। कैपिटल्स की टीम दूसरी बार खिताब नहीं जीत पायी है। वहीं पहले चरण में दिल्ली कैपिटल्स को फाइनल में मुंबई इंडियंस के हाथों हार झेलनी पड़ी थी। आरसीबी की टीम पहली बार फाइनल में पहुंची थी और उसने धीमी शुरुआत के बाद भी मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस मैच में दिल्ली कैपिटल्स की टीम 18.3 ओवर में ही 113 रनों पर आउट हो गयी। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी की टीम ने 19.3 ओवर में दो विकेट पर 115 रन बनाकर जीत दर्ज की। आरसीबी की ओर से ऋचा घोष ने नाबाद 17 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलायी। मंधाना ने 39 गेंद में 31 रन बनाये जबकि सोफी डिवाइन ने 32 रन बनाये। एलिसे पैरी 35 रन बनाकर आउट नहीं हुईं। आरसीबी ने इस प्रकार महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में पहली बार खिताब जीता है। इस मैच में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली कैपिटल्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के 44 रन और कप्तान मेग लैनिंग के 23 रन की सहायता से टीम ने 43 गेंद में बिना विकेट खोये 64 रन बनाये। इसके बाद टीम ने तेजी से विकेट खो दिये। स्पिनर सोफी मोलिनू ने तीन विकेट लिए। आरसीबी की श्रेयंका पाटिल ने 3.3 ओवर में ही 12 रन देकर चार विकेट लिए। दिल्ली कैपिटल्स के लिए बल्लेबाज लैनिंग और शेफाली ने अच्छी शुरुआत की पर इनके आउट होने के बाद टीम ढह गयी।

संक्षिप्त समाचार

आठ अप्रैल को होगा आरसीए अध्यक्ष पद का चुनाव

जयपुर । राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) में अध्यक्ष पद के लिए चुनाव अगले माह 8 अप्रैल को होंगे। इसके लिए नामांकन 4 अप्रैल से शुरु होगा। आरसीए से वैभव गहलोत के इस्तीफे के बाद से ही धनंजय सिंह कार्यवाहक अध्यक्ष के तौर पर काम कर रहे थे। वहीं अब स्थायी अध्यक्ष के लिए चुनाव प्रक्रिया अपनाई जा रही है। आरसीए के सचिव की ओर से जारी की गई सूची में धनंजय सिंह खींवसर अध्यक्ष पद के दावेदार हैं। प्रदेश में सरकार बदलने के बाद पिछले महीने फरवरी 2024 में चूरू जिला क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव हुए थे। आरसीए के तत्कालीन अध्यक्ष वैभव गहलोत ने उपाध्यक्ष शक्ति सिंह को चूरू भेज कर चुनाव प्रक्रिया कराई थी। चुनाव में पराक्रम सिंह राठौड़ चूरू जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष निर्वाचित हुए लेकिन आरसीए के सचिव भवानी सिंह सामोता ने इस चुनाव परिणाम को मानने से इनकार कर दिया। आरसीए के चुनाव में प्रदेश के सभी 33 जिला संघों के पदाधिकारी चुनाव लड़ सकते हैं लेकिन मतदान का अधिकार केवल जिला सचिव के पास है। 33 जिला सचिवों के साथ दो अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी गगन खोड़ा और पंकज सिंह भी मतदाता हैं। ऐसे में कुल 35 व्यक्ति मतदान कर सकते हैं। जिला अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारी चुनाव तो लड़ सकते हैं लेकिन वे मतदान नहीं कर सकते।15 मार्च को आरसीए सचिव की ओर से वोटर लिस्ट जारी की गई है। अब 27 से 29 मार्च तक वोटर लिस्ट पर आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है। 1 और 2 अप्रैल को आपत्तियों पर सुनवाई होगी। 3 अप्रैल को चुनाव अधिकारी फाइनल वोटर लिस्ट जारी करेंगे। इसके बाद 4 अप्रैल को नोटिफिकेशन जारी होगा और इसके साथ ही नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू होगी। 7 अप्रैल तक नाम वापस लिए जा सकेंगे वहीं आठ को मतदान होगा।

कुंबले ने किया अश्विन की जमकर तारीफ

चेन्नई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन के 500 अंतरराष्ट्रीय विकेट पूरे करने पर भारतीय टीम के पूर्व स्पिन गेंदबाज अनिल कुंबले ने उनकी जमकर प्रशंसा की है। कुंबले ने कहा कि पिछले एक दशक में इस गेंदबाज के सामने कई चुनौतियां आई पर वह लगातार सीखने के जुनून और इच्छाशक्ति के कारण इस गेंदबाज ने सफल पाया है। भारत की तरफ से सबसे तेज 500 विकेट पूरे करने के बाद वर्तमान में अश्विन के नाम टेस्ट में 516 विकेट है। अश्विन इस वक्त भारत के लिए कुंबले (619) के बाद दूसरे सबसे अधिक टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। भारत के पूर्व लेग स्पिनर कुंबले ने कहा कि वे इससे बिल्कुल भी आश्चर्यचकित नहीं हैं।

तमिलनाडु क्रिकेट संघ द्वारा अश्विन को 100 टेस्ट और 500 विकेट पूरे करने पर एक सम्मान समारोह आयोजित किया था, कुंबले ने इस समारोह में कहा, ''अश्विन के सामने कई चुनौतियां आई हैं, पर उन्होंने किसी भी चुनौती को अपनी प्रगति में रोड़ा बनने का मौका नहीं दिया। वह एक दशक से अधिक समय से देश के लिए एक असाधारण मैच विजेता रहा है, विकेट लेने में उसकी निरंतरता दिखाई है, वह शानदार है। इस तरह की सफलता के लिए अपने उद्देश्य के प्रति पूर्ण समर्पण की आवश्यकता है।''कुंबले ने आगे कहा कि अश्विन भारतीय प्रशंसकों द्वारा उनसे की गई भारी उम्मीदों से निपटने में सक्षम हैं। कुंबले ने खेल के बारे में विशेषकर प्रतिद्वंद्वी के खेल के बारे में अश्विन की परख की प्रशंसा की। कुंबले ने आगे कहा कि 'जब मैं भारतीय टीम का कोच था तब हमने एक साल तक एक साथ काम किया था। अश्विन पूरी तैयारी के साथ मैदान पर उतरते है। जिन खिलाड़ियों के खिलाफ उनका मुकाबला था उनके बारे में वह पूरी जानकारी रखते थे।''

अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी जगह बनाना चाहता हूं : जुरेल

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर सबका ध्यान खींचने वाले युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल का कहना है कि वह अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी जगह बनाने पर ध्यान दे रहे हैं। पदार्पण के बाद से ही जिस प्रकार जुरेल ने खेला है उससे उनकी तुलना पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी से हो रही है। इसको लेकर इस युवा बल्लेबाज ने कहा कि धोनी से किसी की भी तुलना नहीं हो सकती। साथ ही कहा कि धोनी की कोई भी खिलाड़ी बराबरी नहीं कर सकता। धोनी केवल एक हैं और एक ही रहेंगे। जुरेल ने हाल में इंग्लैंड के खिलाफ संपन्न 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में अच्छी बल्लेबाजी की थी। इसके साथ ही उनकी विकेटकीपिंग भी अच्छी रहीं। बल्लेबाजी में भी जुरेल ने दबाव के अवसरों पर अपनी उपयोगिता साबित का। वह डीआरएस लेने के मामले में भी कप्तान रोहित शर्मा को सलाह देते दिखे। इसी कारण पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने उनकी प्रशंसा करते हुए धोनी से तुलना कर दी थी। जुरेल ने कहा, 'उन्होंने इसपर गावस्कर को धन्यवाद दिया और साथ ही कहा कि व्यक्तिगत तौर पर मेरा मानना है कि धोनी सर ने जो किया उसे कोई भी दोहरा नहीं सकता। जुरेल ने कहा, 'धोनी तो एक ही हैं। हमेशा थे और सदा रहेंगे। मेरे लिए, मैं केवल ध्रुव जुरेल बनना चाहता हूं, मैं जो कुछ भी करता हूं, ध्रुव जुरेल के रूप में करना चाहता हूं पर धोनी सर एक लीजेंड हैं और वह हमेशा ऐसे ही रहेंगे।' जुरेल ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट ही असली क्रिकेट है और इंडिया का कैप हासिल करना उनका सपना था जो सच हो गया। मुझे भरोसा था कि मैं किसी दिन टेस्ट क्रिकेट खेलूंगा और वह हो गया है। मेरे लिए यह एक सपने के सच होने जैसा रहा।' वह हमेशा से टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहते थे

ईशान किशन ने मैदान गंदा करने वालों को सुनाई खरी-खरी

मुंबई । आईपीएल के इस सीजन में विवादों में घिरे क्रिकेटर ईशान किशन के पास शानदार प्रदर्शन करके खुद को फिर से साबित करने का एक सुनहरा मौका है। यह सीजन 22 मार्च से शुरू होने जा रहा है। विवादों के चलते दुनिया की सबसे महंगी टी-20 लीग से पहले यह बल्लेबाज कुछ उखड़ा-उखड़ा सा नजर आ रहा है। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस फ्रैंचाइजी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से ईशान किशन का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह स्वच्छता के महत्व पर जोर देते हुए प्रैक्टिस सेशन के दौरान पानी की बोतलें इधर-उधर न फेंकने का आग्रह कर रहे हैं। मुंबई इंडियंस द्वारा शेयर किए गए वीडियो में ईशान किशन ने कहा, हर कोई अभ्यास के लिए आता है। लेकिन जहां भी वे जाते हैं, उन्हें हर जगह पानी की बोतलें नहीं फेंकनी चाहिए। कोशिश करें और अपने मैदान को साफ रखें। बस छोटी चीजें और आप हर चीज में सुधार करेंगे। छोटे बदलाव भी महत्वपूर्ण हैं, जो आपको करना चाहिए। इस वीडियो को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं और अपने कमेंट्स और लाइक्स की लाइन लगा दी है। गौरतलब है कि रणजी ट्रॉफी सहित राष्ट्रीय और घरेलू मुकाबले से बाहर रहना ईशान किशन को उस वक्त भारी पड़ा, जब बीसीसीआई ने उसे अपने सैंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया। अब यह युवा विकेटकीपर बल्लेबाज आईपीएल में शानदार कमबैक के साथ सिलेक्टर्स का ध्यान खिंचना चाहता है। पिछले सीजन में, मुंबई इंडियंस ने प्लेऑफ में जगह बनाई थी, लेकिन गुजरात टाइटंस ने उसे हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था।

आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से इस बार बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करेंगे पूरन

मुम्बई । 22 मार्च से शुरु हो रहे आईपीएल के 17 वें सत्र में इस बार लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेल रहे वेस्टइंडीज के क्रिकेटर निकोलस पूरन बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करेंगे। वह पिछले सत्र में अधिक रन नहीं बना पाये थे हालांकि वह काफी अच्छे बल्लेबाज हैं और उन्होंने कैरेबियाई टीम की ओर से कई मैच विजेता पारियां भी खेली हैं। टीम ने इस बार उन्हें उपकप्तान बनाकर उनपर अपना भरोसा जताया है। पूरन लखनऊ के साथ साल 2023 से ही बने हुए हैं। इससे पहले वह पंजाब किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियंस की टीम में रहे थे। लखनऊ ने नीलामी में पूरन को 16 करोड़ रुपए में खरीदा था। इसके बाद उन्हें 2024 में भी बनाये रखा जाएगा। पूरन इससे पहले 2022 में सनराइजर्स हैदराबाद के साथ थे। सनराइजर्स ने उन्हें 10.75 करोड़ रुपये में खरीदा था। पूरन एक अनुभवी खिलाड़ी हैं। उन्होंने आईपीएल में अभी तक 62 मैच खेलते हुए 1270 रन बनाए हैं। पूरन ने टूर्नामेंट में 6 अर्धशतक भी लगाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 77 रन रहा है। उन्होंने गेंदबाजी में भी 6 विकेट भी लिए हैं।

अपने आप को धोनी के कर्जदार मानते है अश्विन

- अश्विन ने 17 साल पुराने किस्से को किया याद, बोले- तब मैं कुछ भी नहीं था

चेन्नई । भारतीय टीम के स्टार स्पिन गेंदबाज आर अश्विन ने 17 साल पहले हुए एक वाक्या को याद करते हुए एमएस धोनी की खूब प्रशंसा की। अश्विन ने कहा कि वे अभी तक रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2011 के फाइनल में महेंद्र सिंह धोनी द्वारा नयी गेंद सौंपकर दिखाए गए भरोसे को नहीं भूले हैं। जिसके कारण उनके करियर को नई दिशा मिली और इसके लिए वह खुद को पूर्व भारतीय कप्तान का कर्जदार मानते हैं। लीक से हटकर रणनीति बनाने में माहिर धोनी ने 2011 आईपीएल के फाइनल मैच में आर अश्विन को नई गेंद थमाई थी जिसका मान रखते हुए इस उभरते हुए ऑफ स्पिनर ने चौथी ही गेंद पर फॉर्म में चल रहे क्रिस गेल को पवेलियन का रास्ता दिखा दिया था। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए चेपक की वो जादुई रात अश्विन के लिए बस एक शुरुआत थी और तब से एक दशक के उतार चढ़ाव भरे सफर में उन्होंने 100 टेस्ट खेल लिए हैं और खेल के पारंपरिक प्रारूप में 516 विकेट झटक लिए हैं। तमिलनाडु क्रिकेट संघ द्वारा 500 विकेट और 100 टेस्ट की दोहरी उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए आयोजित एक सम्मान समारोह के दौरान अश्विन उस पल को नहीं भूले हैं जब धोनी ने उन पर भरोसा दिखाया था। इस कार्यक्रम में अश्विन ने भावुक होते हुए कहा, 'मैं आम तौर पर अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए शब्दों की तलाश नहीं करता। मैं यहां आकर सच में इस सम्मान के लिए आभारी हूं.' अपने पहले आईपीएल कप्तान धोनी को श्रेय देते हुए अश्विन ने कहा, '2008 में चेन्नई सुपर किंग्स के ड्रेसिंग रूम में मैं सभी महान खिलाड़ियों मैथ्यू हेडन और एमएस धोनी से मिला। तब मैं कुछ भी नहीं था और मेरा उस टीम में खेलना जिसमें मुथैया मुरलीधरन थे.' बकौल अश्विन, 'धोनी ने मुझे जो दिया, उसके लिए मैं जिंदगी भर उनका कर्जदार रहूंगा। उन्होंने मुझे नई गेंद से मौका दिया जबकि सामने क्रिस गेल थे और 17 साल बाद अनिल भाई इसी घटना के बारे में बात कर रहे हैं। चेन्नई की टीम ने 2008 में अश्विन को स्थानीय स्पिनर के तौर पर शामिल किया था।

पाटीदार के टेस्ट फार्म का आईपीएल में असर नहीं पड़ेगा : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 से पहले कहा है कि बल्लेबाज रजत पाटीदार इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाये पर इससे ये नहीं कहा जा सकता कि वह आईपीएल में अच्छा नहीं खेल पायेंगे। आकाश ने कहा कि जो भी चिन्नास्वामी स्टेडियम तक पहुंचता है वह अपनी लय हासिल कर ही लेता है। वहीं आकाश ने कहा कि कप्तान डु प्लेसिस और विराट कोहली रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के लिए टूर्नामेंट के पिछले सत्र में बेहतर प्रदर्शन कर रहे थे और उनकी निरंतरता इस बार भी रहेगी। चोपड़ा ने कहा कि बेंगलुरु स्थित फ्रेंचाइजी के पास बैकअप के रूप में इंग्लैंड के बल्लेबाजी ऑलराउंडर विल जैक भी हैं। चोपड़ा ने कहा, इस टीम में बैकअप के रूप में विल जैक भी हैं। इसलिए टीम के पास काफी विकल्प हैं। शीर्ष पांच या छह उतने अच्छे हैं जितना आप कर सकते हैं। फाफ और कोहली पिछले साल बहुत बेहतर थे और ग्लेन मैक्सवेल भी निखर गये थे। इसके अलावा टीम के पास कैमरून ग्रीन जैसा शानदार बल्लेबाज है। इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि जो कोई भी चिन्नास्वामी स्टेडियम में आता है, वह अपनी फॉर्म वापस पा लेता है। उन्होंने कहा, उनकी बल्लेबाजी को देखें। शुरुआत में आपके डु प्लेसिस और विराट होंगे। उसके बाद ग्रीन और उसके बाद मैक्सवेल या पाटीदार आते हैं। ये पांच बेहतरीन बल्लेबाज हैं।

नाश्ते में रवा उपमा खाने से मिलेंगे ये लाभ

नाश्ते में अगर कुछ अच्छा (स्वादिष्ट और हेल्दी) खाने को मिल जाए तो पूरा दिन मूड अच्छा रहता है और आप अपनी प्रॉडक्टिविटी में भी अच्छा परिणाम देखते हैं। बस, जरूर इस बात की है कि हम सभी अपने काम और अपने शरीर की जरूरतों को समझें.लेकिन हममें से ज्यादातर लोग बस यहीं मात खा जाते हैं। आइए, जानते हैं दिन की बेहतर शुरुआत करने में रवा उपमा किस तरह हमारी सहायता कर सकता है.

रवा खाने के फायदे

- दक्षिणी भारत में सूजी को रवा कहा जाता है। उत्तर भारत और हिंदी भाषी राज्यों में सूजी का हलवा जिस तरह आय दिन घरों में बनता है और सभी बहुत चाव से खाते हैं। ठीक इसी तरह सूजी से तैयार उपमा यानी रवा उपमा दक्षिण भारत में बहुत अधिक लोकप्रिय भोजन है।
- रवा यानी सूजी गेहूं से तैयार होती है। यह फाइबर से भरपूर होती है इसलिए इसे पचाना हमारे पाचनतंत्र के लिए आसान होता है।
- फाइबर धीमी गति से डायजेस्ट होता है इसलिए यह लंबे समय तक हमारे शरीर को ऊर्जा देने का काम करता है।
- यानी रवा से बना उपमा खाने के बाद जल्दी से भूख नहीं लगती, नींद नहीं आती और आप लंबे समय स्वयं को तक ऊर्जावान महसूस करते हैं।
- रवा उपमा तैयार करते समय इसमें मौसमी सब्जियां मिलाई जाती हैं। यानी इसे खाने से आपको संपूर्ण पोषण प्राप्त होता है। सब्जियों से विटमिन्स और मिनरल्स साथ ही रवा से दिनभर के लिए ऊर्जा।
- रवा उपमा बनाने में मूंगफली और ड्राई फ्रूट्स का उपयोग किया जाता है। इन्हें खाने से आपको सभी जरूरी अमीनो एसिड्स, ओमेगा-3 फैटी एसिड, फॉलिक एसिड और विटमिन्स तथा मिनरल्स की प्राप्ति होती है।
- रवा उपमा फैट यानी वसा और हानिकारक कॉलेस्ट्रोल से पूरी तरह फ्री होता है। इसलिए यह आपके हार्ट की सेहत के लिए भी एक शानदार नाश्ता है। जो हृदय की पंपिंग को सही बनाए रखने और अपने पौषक तत्वों से रक्त का प्रवाह बनाए रखने का काम करता है।
- रवा उपमा खाने में बहुत अधिक स्वादिष्ट और साथ ही सेहत के गुणों से भरपूर होता है। इसलिए साउथ इंडिया से निकलकर इस फूड ने देश के हर हिस्से और घर में अपनी जगह बना ली है।
- आज के समय में पोहा (मुख्य रूप से मध्य भारतीय आहार) दही चूड़ा (मुख्य रूप से बिहार का भोजन) और रवा उपमा तथा इडली (दक्षिण भारतीय भोजन) अपने-अपने राज्यों की सीमाए पार कर नैशनल फूड बन चुके हैं।
- इसकी खास वजह है कि इन फूड्स को तैयार करने में कम समय लगता है। ये पौषक तत्वों से भरपूर होते हैं और कम ऑइली होने के कारण फिटनेस को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। इसके साथ ही पाचन के लिहाज से बहुत अच्छे होते हैं तो इन्हें खाने के बाद आलस भी नहीं आता है।

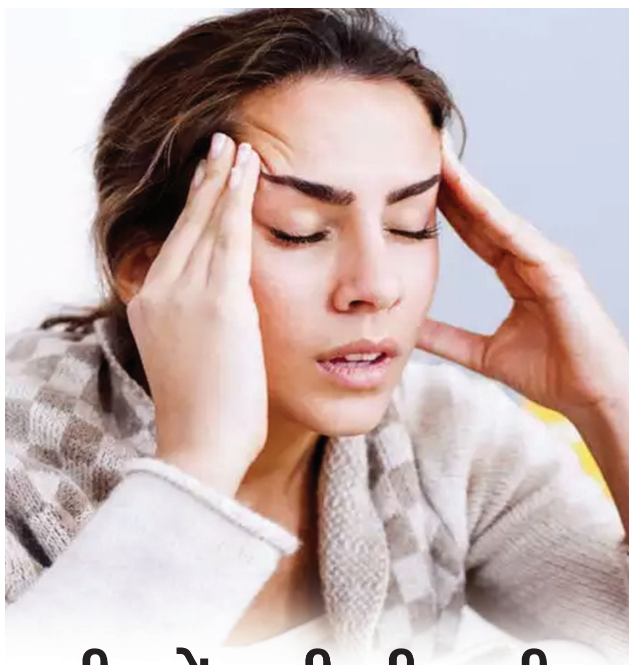

शरीर में पानी की कमी को हल्के में ना लें

शरीर में पानी की कमी को हल्के में ना लें। ये आपको कई गंभीर बीमारियों की तरफ धकेल सकती है. चिकित्सा विज्ञान के अनुसार, हमारे शरीर का 30 प्रतिशत हिस्सा तरल है और बाकी 70 प्रतिशत में अस्थि और मज्जा शामिल है। यही वजह है कि जल को जीवन की संज्ञा दी गई है। क्योंकि मनुष्य बिना भोजन के कुछ समय रह सकता है लेकिन बिना पानी के रहना असंभव होता है। यानी जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। पानी तो हम सभी लोग पीते हैं लेकिन ज्यादातर लोग शरीर की जरूरत के अनुसार उचित मात्रा में पानी नहीं पीते हैं। यही कारण है कि हमारे समाज में बड़े स्तर पर सूखे की बीमारी से पीड़ित पेशंट देखे जा सकते हैं। खासतौर पर गर्मी के मौसम में डिहाइड्रेशन के मरीजों की मानो बाढ़ आ जाती है।

हल्के में ना लें यह समस्या

- आमतौर पर शरीर में पानी की कमी होने को हम सभी बहुत हल्के में लेते हैं। यह एक बड़ी वजह है कि डिहाइड्रेशन के कारण बड़ी संख्या में रोगियों की मृत्यु हो जाती है। आइए, यहां जानते हैं शरीर के उन सामान्य लक्षणों के बारे में जो आपके शरीर में पानी की कमी को दर्शाते हैं। ताकि इन लक्षणों के आधार पर आप तुरंत इस समस्या से निजात पा सकें.

पानी की कमी के सामान्य लक्षण

- जब शरीर में पानी की कमी होती है तो आपके होंठ बहुत सूखे-सूखे हो जाते हैं और उनकी बाहरी त्वचा फटने लगती है। कई बार होठों से खून भी आने लगता है।
- पानी की कमी के कारण गला लगातार सूखा बना रहता है और बार-बार प्यास लगने पर पानी पीने के बाद भी प्यास नहीं मिटती है।
- शरीर में पानी की कमी के कारण सीने पर हल्की जलन, पेट में एसिडिटी या असहजता हो सकती है। साथ ही मुंह से सांसों के साथ लगातार दुर्गंध आती है। ब्रश करने के बाद भी आप सांसों की दुर्गंध फील कर पाते हैं।

यूरिन, स्किन और मसल्स पर असर

- जब शरीर में पानी की कमी होती है तो पेशाब गाढ़े पीले रंग का आता है। इसके साथ मात्रा में सामान्य से कम होता है और पेशाब के बाद प्राइवेट पार्ट में जलन या खुजली की समस्या हो सकती है।
- डिहाइड्रेशन से जूझ रहे लोगों के शरीर की त्वचा भी बहुत रूखी और बेजान नजर आती है। जो लोग लंबे समय से पानी की कमी से जूझ रहे होते हैं, उनकी त्वचा पर कम उम्र में ही झुर्रियां नजर आने लगती हैं।
- पानी की कमी से मांसपेशियों में दर्द, ऐंठन और जकड़न की समस्या हो सकती है। इसके साथ ही सिर में लगातार दर्द बना रहता है। इस कारण रोगी का चेहरा मुर्झाया हुआ और तेजहीन लगता है।
- जो लोग शरीर की जरूरत के अनुसार पानी नहीं पीते हैं, उनकी आंखों के नीचे काले घेरे साफ देखे जा सकते हैं। इन लोगों की आंखें अंदर धसने लगती हैं और इन्हें हर समय कमजोरी का अहसास बना रह सकता है।

सेहत समस्याओं से निजात पाने के लिए पुदीने के घरेलू नुस्खे

गर्मियों का मौसम आते ही भूख कम लगने लगती है, पेट व त्वचा की गर्मी बढ़ जाती है। ऐसे मौसम में ऐसी चीजें खाने की जरूरत होती है जो आपको ठंडक दे और पुदीना इस मौसम के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। गर्मियों में पुदीना या मिंट के अलग-अलग इस्तेमाल से कई सेहत लाभ पाए जा सकते हैं। आइए, जानते हैं पुदीना के ये 8 बेहतरीन घरेलू नुस्खे

- पेट की गर्मी को कम करने के लिए पुदीने का प्रयोग बेहद फायदेमंद है। इसके अलावा यह पेट से संबंधित अन्य समस्याओं से भी जल्द निजात दिलाने में लाभकारी है। इसका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं है।
- दिनभर बाहर रहने वाले लोगों को पैर के तलवों में जलन की शिकायत रहती है, ऐसे में उन्हें फ्रिज में रखे हुए पुदीने को पीसकर तलवों पर लगाना चाहिए ताकि तुरंत राहत मिल सके। इससे पैरों की गर्मी भी कम होगी।
- सूखा या गीला पुदीना छाछ, दही, कच्चे आम के पने के साथ मिलाकर पीने पर पेट में होने वाली जलन दूर होगी और ठंडक मिलेगी। गर्मी हवाओं और लू से भी बचाव होगा।
- अगर आपको अक्सर टॉसिल्स की शिकायत रहती है और इसमें होने वाली सूजन से भी आप परेशान हैं तो पुदीने के रस में सादा पानी मिलाकर इस पानी से गरारे करना आपके लिए फायदेमंद होगा।
- गर्मी में पुदीने की चटनी का रोजाना सेवन सेहत से जुड़े कई फायदे देता है। पुदीना, काली मिर्च, हींग, सेंधा नमक, मुनक्का, जीरा, छुहारा सबको मिलाकर चटनी पीस लें। यह चटनी पेट के कई रोगों से बचाव करती है व खाने में भी स्वादिष्ट होती है। भूख न लगने या खाने से अरुचि होने पर भी यह चटनी भूख को खोलती है।
- पुदीने व अदरक का रस थोड़े से शहद में मिलाकर चाटने से खांसी ठीक हो जाती है। वहीं अगर आप लगातार हिचकी आने से परेशान हैं तो पुदीने में चीनी मिलाकर धीरे-धीरे चबाएं। कुछ ही देर में आप हिचकी से निजात पा लेंगे।
- पुदीने की पत्तियों का लेप करने से कई प्रकार के चर्म रोगों को खत्म किया जा सकता है। घाव भरने के लिए भी यह उत्तम है। इसके अलावा गर्मी में इसका लेप चेहरे पर लगाने से त्वचा की गर्मी समाप्त होगी और आप ताजगी का अनुभव करेंगे।
- पुदीने का नियमित रूप से सेवन आपको पीलिया जैसे रोगों से बचाने में सक्षम है। वहीं मूत्र संबंधी रोगों के लिए भी पुदीने का प्रयोग बेहद लाभदायक है। पुदीने के पत्तियों को पीसकर पानी और नींबू के रस के साथ पीने से शरीर की आंतरिक सफाई होगी।

हल्की-हल्की भूख में लें इन तीन सूप का मजा

नाश्ते के बाद और लंच से पहले वाली भूख को हैंडल करने के लिए ज्यादातर लोग चाय, कॉफी या फास्ट फूड और डिब्बाबंद फूड्स का सेवन करते हैं। लेकिन हम यहां आपको चंद मिनट में तैयार होनेवाले उन 3 खास सूप के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपको 'अपनी तो लाइफ सेट है!' जैसा फील देंगे.

वेजिटेबल सूप

- मौसमी सब्जियों के साथ आप मिक्स वेज सूप तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आप किसी एक सब्जी को उबालकर उसका सूप बनाएं और शिमला मिर्च, बीन्स, मशरूम, हरी प्याज और आलू को महीन टुकड़ों में काटकर इन्हें अलग उबाल लें।
- पहले से तैयार सूप में इन सब्जियों को मिलाएं और अपने स्वाद के हिसाब से काला नमक, जीरा पाउडर आदि मिलाएं। ध्यान रखें सूप को गाढ़ा करने के लिए कॉर्नफ्लोर मिलाया जाता है। आप इसका उपयोग कर सकते हैं लेकिन अधिक मात्रा में इसे मिलाने से बचें। नहीं तो यह आपके वजन को बढ़ाने की वजह बन सकता है।

चुकंदर का सूप

- चुकंदर का सूप बनाने के लिए आप टमाटर, आलू, प्याज, लहसुन, काली मिर्च का पाउडर और नींबू का रस जैसी चीजों का उपयोग करते हैं। ये सभी बहुत पौष्टिक और सेहत को फिट रखनेवाली चीजें हैं।
- चुकंदर का सूप तैयार करने के लिए एक कुकर में बारीक कटे प्याज और लहसुन भून लें। इसके बाद कटे हुए चुकंदर, आलू और टमाटर डालकर भूनें। इन्हें दो मिनट पकाने के बाद कुकर को बंद कर दें और इसमें धीमी आंच पर 4 सीटी आने दें।
- तैयार मिश्रण को मिक्सी में डालकर पीसें और गाढ़ा लिक्विड तैयार करें। इसे छान लें और काली मिर्च पाउडर तथा नींबू का रस मिलाकर सूप तैयार करें और इसे हरी धनिया पत्तियों के साथ गार्निश करके सूप का लुत्फ उठाएं।

मूंग दाल का शोरबा

- मूंग दाल का शोरबा मात्र 10 मिनट में तैयार हो जाता है। इसके लिए आप बिना छिलके की मूंग दाल को धुलकर कुकर में 3 से 4 सीटी लगा लें। इसे तैयार करते समय आपको पानी की मात्रा सामान्य दाल बनाने से दोगुना रखें और गैस की धीमी आंच पर रखकर ही पकाएं।
- अब इसमें हरी धनिया पत्ती, बारीक कटी हरी मिर्च, बारीक कटा कच्चा प्याज मिलाकर तड़का लगा दें। मसलों के नाम पर इसमें सिर्फ हल्दी पाउडर का उपयोग करें, हल्का काला नमक मिलाएं और काली मिर्च पाउडर मिक्स करके गर्मागर्म शोरबा का लुत्फ उठाएं।

वजन घटाने के लिए लोग न जानें कितनी प्रकार की डायट फॉलो करते हैं। लेकिन अपने आपको भूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की डायट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्सट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती हैं। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके हैं, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान हैं, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते हैं क्या हैं वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है.

खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नीचे की ओर ढकेलता है। यदि आपका शरीर वात या पित्त प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र चिकना होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।

डायजेस्टिव चाय

आजकल, बाजार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वैराइटीज उपलब्ध हैं। लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें। इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए।

मेटाबोलिज्म बढ़ाने के लिए चाय आजमाएं

अपने मेटाबोलिज्म को तेज बनाने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लौंग, कद्दूकस की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार ऐनीज को 500 मिली पानी में उबालें। यह पानी आधा हो जाए तब इसमें आधा नींबू और कोकोनट शुगर मिलाएं। चाय शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।

कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कसैले हो सकते हैं। ग्रीन और रेड एपल, क्रैनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें। यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

सिलेरी जूस (अजमोद का रस)

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल और पकी या उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है। ऐसी स्मूदी लेने से बचें जिसमें फल, सब्जियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संचय का कारण बन सकता है। बल्कि पेट की ब्लोटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेंधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।

वजन घटाने के पांच बुनियादी नियम भी जानें

- जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।
- सूर्यास्त के बाद न खाएं।
- इंटरमिटेंट फास्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं। इससे आपकी ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में दिमाग पर कंट्रोल रहता है।
- कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।
- आपका पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है। अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group
Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार
के खिलाफ लड़ाई

टैक्स वसूल करने में सरकार ने बनाया रिकॉर्ड

15 मार्च तक 18 I95 लाख करोड़ की वसूली

नई दिल्ली ।

डायरेक्ट ओर इनडायरेक्ट टैक्स में सरकार ने अभी तक की रिकॉर्ड कमाई की है। वित्त वर्ष में सरकार नया रिकार्ड बनाने जा रही है। सरकार ने वर्ष 2023-24 में 15 मार्च तक 18.95 लाख करोड रुपए का डायरेक्ट टैक्स वसूल किया है। पिछले वर्ष में यह टेक्स 15.80 लाख करोड़ था। केंद्र सरकार ने डायरेक्ट टैक्स में के रूप में 18.23 लाख करोड रुपए का प्रावधान किया था। चालू वित्तीय वर्ष में ज्यादा टैक्स वसूल होने के कारण अब इस लक्ष्य को बढ़ाकर सरकार ने 19I45 लाख करोड़ कर दिया है।

व्यक्तिगत आयकर में 27 फ़ीसदी की ग्रोथ

आयकर में सरकार को व्यक्तिगत कर के रूप में 26.91 फ़ीसदी लक्ष्य से ज्यादा आयकर प्राप्त हुआ है। पिछले साल यह 13.97 फ़ीसदी था।सबसे ज्यादा डायरेक्ट टैक्स की वसूली महाराष्ट्र,दिल्ली, गुजरात, तमिलनाडु से आयकर की 70 फ़ीसदी आय हुई है। आयकर भरने वालों में सबसे ज्यादा पांच राज्य हैं। इनडायरेक्ट टैक्स के रूप में जिसमें जीएसटी आता है।उसमें महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश सबसे ज्यादा टैक्स देने वाले राज्य हैं। इनडायरेक्ट टैक्स में एक्साइज, कस्टम ड्यूटी और जीएसटी शामिल है। डायरेक्ट टैक्स में आयकर आता है। इसमें पर्सनल और कॉरपोरेट टैक्स की वसूली सरकार करती है। 2013-14 में सरकार का नेट कलेक्शन 6.39 लाख करोड़ था। 2014-15 में यह 6.96 लाख करोड़ था। 2015-16 से टैक्स कलेक्शन सबसे ज्यादा बढ़ना शुरू हुआ। अब टैक्स के रूप में 2023-24 में सरकार ने जनता से 19.45 लाख करोड रुपए वसूल करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसमें से 15 मार्च तक 18.95 लाख करोड़ वसूल भी हो चुकी है।

इंडिया ब्लॉक के नेता बोले, सत्ता में आए तो हटा देंगे ईवीएम

- अलायंस में शामिल पार्टियों के नेताओं ने ईवीएम से वोटिंग प्रक्रिया का विरोध किया

मुंबई । महाराष्ट्र के मुंबई में कांग्रेस की मेगा रैली में इंडिया ब्लॉक के नेताओं के टारगेट पर ईवीएम रही। रैली से यह स्पष्ट संदेश दिया गया कि आने वाले दिनों में विपक्ष के चुनाव प्रचार में ईवीएम ही टारगेट पर रहेगी। अलायंस में शामिल पार्टियों के नेताओं ने ईवीएम से वोटिंग प्रक्रिया का विरोध किया और ऐलान किया है कि अगर हम सत्ता में आए तो ईवीएम से वोटिंग कभी नहीं होने देंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की रविवार को भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन पर मुंबई के ऐतिहासिक शिवाजी पार्क मैदान में इंडिया ब्लॉक के दिग्गज नेताओं को जमावड़ा लगा। यहां नेताओं ने वोटिंग के लिए ईवीएम के इस्तेमाल के खिलाफ आवाज उठाई। सभी नेताओं ने ईवीएम वोटिंग के खिलाफ बात की और कहा कि जब इंडिया ब्लॉक सत्ता में आएगा तो ईवीएम को वोटिंग प्रक्रिया से हटा देंगे और ईसीआई को स्वतंत्रता देंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि बिना ईवीएम के नरेंद्र मोदी चुनाव नहीं जीत सकते हैं। हमने चुनाव आयोग से अनुरोध किया कि हमें ईवीएम दिखाएं और हमारे विशेषज्ञों को मशीन दिखाएं। उन्होंने हमें दिखाने से इनकार कर दिया। हमने मशीन और उससे निकलने वाले कागज के बारे में पूछा, लेकिन उन्होंने उन कागजों को गिनने से इनकार कर दिया। राजा की आत्मा ईवीएम में है। नरेंद्र मोदी का काम है- आपका ध्यान हटाओ। पिछले 40 वर्षों की तुलना में आज सबसे ज्यादा बेरोजगारी है। पूरी व्यवस्था नियंत्रण में है। जब पहली बार उनकी सरकार सत्ता में आई तो अरुण जेटली आए, मुझसे कहा कि भूमि अधिग्रहण के बारे में मत बोलो। मैंने पूछा कि मैं इसके बारे में क्यों नहीं बोलूंगा? उन्होंने कहा कि अगर मैं बोलूंगा तो हम आप पर केस डाल देंगे। ईडी मेरे पास आई और उन्होंने मुझसे 50 घंटे तक पूछताछ की।

मुलायम सिंह के करीबी पूर्व सांसद देवेंद्र यादव भाजपा में शामिल

नई दिल्ली।

उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी को बड़ा झटका लगा है। कभी पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह के करीबी रहे पूर्व सांसद देवेंद्र यादव ने सपा को बाय बाय कहकर भाजपा से हाथ मिला लिया है।

यादव ने लखनऊ के बीजेपी दफ्तर में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है।इससे पहले समाजवादी पार्टी ने बीजेपी के परंपरागत वोट माने जाने वाले शाक्य समाज से अपना प्रत्याशी उतार कर उन्हें झटका दिया था। इसके बाद भाजपा ने समाजवादी पार्टी के परंपरागत माने जाने वाला यादव वोट बैंक में सेंध लगाते हुए यादव समाज के प्रभावशाली नेता देवेंद्र यादव को पार्टी में शामिल कर एटा की लड़ाई को दिलचस्प बना दिया है। कासगंज के अलीपुर बरवारा के रहने वाले देवेंद्र सिंह यादव ने अपने राजनैतिक जीवन की शुरुआत गांव में प्रधान के चुनाव से की थी।

उसके बाद देवेंद्र सिंह यादव तीन बार सोरो से ब्लॉक प्रमुख रहे। 1979 में कांग्रेस से पहली बार देवेंद्र सिंह यादव विधानसभा पहुंचे और उसके बाद 1984 में समाजवादी पार्टी से देवेंद्र सिंह यादव विधायक बने।

उसके बाद देवेंद्र सिंह यादव समाजवादी पार्टी से 1999 में पहली बार सांसद बने और फिर 2004 में दूसरी बार समाजवादी पार्टी से ही देवेंद्र सिंह यादव लोकसभा पहुंचे। 2009 में कल्याण सिंह के सामने देवेंद्र सिंह यादव लोकसभा का चुनाव हार गए और उसके बाद 2014 और 2019 में कल्याण सिंह के पुत्र राजवीर सिंह ने देवेंद्र सिंह यादव को लोकसभा चुनाव में मात दी थी।

लड्डू मार होली में हादसा-

22 लोग घायल,एसएसपी ने किया घटना से इंकार

मथुरा।

मथुरा के बरसाना में लड्डू मार होली के दौरान राधा रानी मंदिर में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने से भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। इस बीच राधा रानी मंदिर में सीढ़ी की रेलिंग टूटने से 20 से अधिक लोग घायल हो गए। खुद मंदिर के पुजारी ने मीडिया को इस बात की जानकारी दी है। बरसाना के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ मनोज वशिष्ठ ने कहा कि घटना के बाद 22 लोगों को केंद्र में लाया गया था और उनमें से अधिकांश को फ्रैक्चर हुआ है। जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि घायलों को तत्काल उपचार उपलब्ध कराया गया। बाद में भीड़ को नियंत्रित किया गया जिससे भक्तों को दर्शन करने में सुविधा हुई। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर में उत्सव के तहत बांटे जा रहे लड्डुओं को पाने की कोशिश कर रहे थे, तभी यह घटना घटी। कई सारे लोग दीवार कूदकर लड्डू लेने की कोशिश कर रहे थे, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। घटना रविवार शाम की है जब श्रद्धालु कई घंटों से मंदिर के दरवाजे खुलने का इंतजार कर रहे थे। मंदिर के पुजारी के अनुसार, मंदिर में होली से पहले उत्सव का आयोजन किया गया था और जिस वक्त रेलिंग गिरी तो बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर में आए थे। वहीं दूसरी तरफ इस तरह की घटनाओं से जिले के एसएसपी शैलेश कुमार पांडे साफ इनकार करते हैं। उनका कहना है कि बरसाना में लड्डू मार होली का जश्न चल रहा है।

पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के बीच श्रद्धालु पूजा-अर्चना कर रहे हैं और जश्न मना रहे हैं। भगदड़ की अफवाह फैलाई जा रही है। भीड़ ज़रूर बहुत है लेकिन सुरक्षा के इंतज़ाम पर्याप्त हैं। हम सभी से अनुरोध करते हैं कि अफवाहों पर ध्यान न दें।

पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को झटका, कोर्ट ने सभी याचिकाएं रद्द कर कहा- आज ही करें सरेंडर

नई दिल्ली।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फंसे दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने सभी याचिकाएं रद्द करते हुए जैन से कहा कि आप आज ही सरेंडर कर दें। सत्येंद्र जैन के अलावा मामले में सह आरोपी अंकुश जैन और वैभव जैन की भी जमानत याचिकाएं खारिज हो गई हैं। जस्टिस बेला एम त्रिवेदी की बेंच ने यह फैसला सुनाया है। बता दें कि मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में सत्येंद्र जैन को मई 2022 में ईडी ने गिरफ्तार किया था। बता दें कि साल 2018 में ईडी ने इस मामले में सत्येंद्र जैन से पूछताछ की थी। दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने 22 मई 2022 में उनकी गिरफ्तारी का विरोध भी किया था। इसके बाद 26 मई, 2023 को सत्येंद्र जैन को खराब स्वास्थ्य के आधार पर जमानत मिल गई थी। तबसे वह इलाज करा रहे हैं। आप नेता के खिलाफ सीबीआई ने 2017 में प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट के तहत एफआईआर फाइल की थी। इस एफआईआर में सत्येंद्र जैन पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया गया था। एफआईआर के मुताबिक मनी लॉन्ड्रिंग चार कंपनियों के जरिये की गई जो सीधा सत्येंद्र जैन से जुड़ी हैं। कोर्ट ने मेडिकल ग्राउंड पर उन्हें करीब नौ महीने पहले अंतरिम जमानत दी थी। हालांकि कोर्ट ने उन पर इस मामले से जुड़े गवाहों, शिकायतकर्ताओं आदि पर प्रभाव का इस्तेमाल करने, उनसे और मीडिया से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संपर्क करने, राजनीतिक गतिविधियों में हिस्सा लेने जैसी कई तरह की पाबंदियां भी लगाई थीं। सुप्रीम कोर्ट ने 26 मई 2023 को सत्येंद्र जैन को इलाज के लिए अंतरिम जमानत पर छह हफ्ते के लिए न्यायिक हिरासत से छोड़ा था। समय-समय पर बढ़ते हुए अब इस अवधि को नौ महीने से भी ज्यादा वक्त हो गया है।

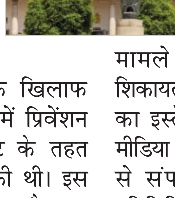

मुजफ्फरनगर में तंबाकू देने से मना किया तो सिपाही ने टीचर को गोलियों से भूना

मुजफ्फरनगर ।

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में एक सिपाही ने रविवार को एक टीचर टीचर को गोलियों से हत्या कर दी। सिपाही ने सरकारी कार्बाइन से टीचर को गोली मारी। घटना के वक्त सिपाही और टीचर एक ही वाहन में सवार थे। वे यूपी बोर्ड हाई स्कूल परीक्षा की कॉपी लेकर वाराणसी से मुजफ्फरनगर आए थे। तभी वाहन में दोनों के बीच विवाद हो गया जिसके चलते सिपाही ने यह उसको गोलियों से भून दिया।

बताया जा रहा है कि हत्यारोपी सिपाही शराब के नशे में था और वह रात के समय टीचर से तंबाकू की मांग कर रहा था। तंबाकू ना देने पर आरोपी सिपाही ने इस घटना को अंजाम दे डाला। गोलियों की आवाज से मौके पर हड़कंप मच गया। दरअसल 14 मार्च को वाराणसी से एक टीम यूपी बोर्ड हाई स्कूल परीक्षा की कॉपी लेकर अन्य जनपदों में स्थित कॉलेज में जमा करने के लिए निकली थी। जिसमें टीचर धर्मेंद्र कुमार, संतोष कुमार व पुलिस टीम में उप निरीक्षक नागेंद्र चौहान मुख्य आरक्षी चंद्र प्रकाश के साथ 2 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी जितेंद्र मौर्य व कृष्ण प्रताप शामिल थे।

यह टीम प्रयागराज, शाहजहांपुर, पीलीभीत, मुरादाबाद और बिजनौर में कॉपियां उतारकर रविवार की देर रात मुजफ्फरनगर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र स्थित एसडी इंटर कॉलेज पर पहुंची थी। कॉलेज के गेट बंद होने के चलते टीम रात के समय गाड़ी में ही आराम कर रही थी। इसी दौरान टीम में शामिल कॉन्स्टेबल चंद्रप्रकाश द्वारा टीचर धर्मेंद्र कुमार से तंबाकू की मांग की गई जिस पर तंबाकू ना देने के चलते शराब के नशे में चूर चंद्रप्रकाश ने अपनी कार्बाइन से टीचर धर्मेंद्र पर फायरिंग कर दी। जिसमें कई गोलियां लगने से टीचर धर्मेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना की सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने घायल टीचर को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहां डॉक्टरों ने उपचार के दौरान टीचर को मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद पुलिस ने जहां टीचर के शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया तो वहीं टीम में शामिल सभी लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है।

संक्षिप्त समाचार

हैदराबाद में चड्डी गैंग ने स्कूल से चुराए 7.85 लाख

हैदराबाद ।

तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में चंड्डी गैंग ने एक स्कूल में घुसकर 7 लाख 85 हजार रुपए चुरा लिए हैं। इस घटना का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। यह घटना शनिवार रात के समय हुई। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज में 2 चोर स्कूल परिसर के अंदर घूम-घूमकर चोरी करते हुए नजर आ रहे हैं। चोरों ने शरीर में सिर्फ अंडर वियर पहन रखी है। पहचान छुपाने के लिए दोनों ही चोरों ने चेहरे को नकाब से ढक रखा है। फुटेज में यह भी दिखाया गया है कि एक चोर छुपते-छुपाते हुए सीढ़ियों से ऊपर की तरफ जा रहा है। इस तरह की चोरी पहले भी देशभर के अलग-अलग इलाकों में सामने आती रही है। करीब एक साल पहले बिहार की राजधानी पटना में भी ऐसा ही एक मामला सामने आया था जिसमें चड्डी-बनियान गैंग ने इलेक्ट्रॉनिक दुकान को निशाना बनाया था। चोरों ने दुकान में घुसकर काउंटर से 2 लाख रुपए की चोरी की थी। इससे पहले मुंबई और भोपाल में भी चड्डी-बनियान गिरोह का आतंक सामने आ चुका है। मुंबई पुलिस ने ऐसे 3 चोरों को पकड़ा था जो बंद घरों में चड्डी बनियान पहनकर चोरी किया करते थे।

त्रिपुरा में वाम मोर्चा और कांग्रेस ने मिलाया हाथ

अगरतला ।

लोकसभा चुनाव को लेकर देश के तमाम राजनैतिक दल अपनी अपनी संभावनाएं तलाश रहे हैं इसी संभावना के तहत मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेतृत्व वाले वाम मोर्चा ने रविवार को त्रिपुरा पूर्व लोकसभा सीट (एसटी) के लिए अपने उम्मीदवार की घोषणा की और त्रिपुरा पश्चिम सीट पर कांग्रेस का समर्थन करने का फैसला किया। सीपीआई-एम की राज्य समिति और वाम मोर्चा की अलग-अलग बैठकों के बाद, वाम मोर्चा के संयोजक नारायण कर ने कहा कि पूर्व सीपीआई-एम विधायक राजेंद्र रियांग त्रिपुरा पूर्व लोकसभा सीट के लिए वाम दल के उम्मीदवार होंगे, जो आदिवासियों के लिए आरक्षित है। उन्होंने कहा कि माकपा की पश्चिम जिला समिति के सचिव पूर्व विधायक रतन दास को रामनगर विधानसभा सीट से मैदान में उतारा जाएगा, जहां 19 अप्रैल को उपचुनाव होना है। भाजपा विधायक सुरजीत दत्ता के 28 दिसंबर को निधन हो जाने के कारण यह विधानसभा सीट खाली हो गई थी। वामपंथी नेता ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि वाम मोर्चा ने इंडिया गठबंधन के हिस्से के रूप में भाजपा को हराने के लिए गठबंधन के सहयोगियों के साथ मिलकर चुनावी लड़ाई लड़ने का फैसला किया है।

लालू की बेटी रो हिणी लड़ सकती हैं चुनाव

पटना ।

राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) सुप्रीमो लालू यादव अपनी एक और बेटी रोहिणी आचार्य को भी इस लोकसभा चुनाव के जरिए राजनीति में प्रवेश करवा सकते हैं। इस बात की पूरी संभावना जताई जा रही है कि सिंगापुर में रहने वाली लालू यादव की दूसरी बेटी रोहिणी आचार्य चुनाव लड़ सकती है। रोहिणी आचार्य ने पिछले साल अपने पिता को एक किडनी दान में दी थी जिसको लेकर उनकी खूब प्रशंसा हुई थी। अब ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि जल्द लालू अपनी बेटी रोहिणी को भी राजनीति में लॉन्च कर सकते हैं। रोहिणी से पहले लालू परिवार में उनकी पत्नी राबड़ी देवी मुख्यमंत्री रह चुकी हैं और उनके तीन बच्चे मीसा भारती, तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव भी सक्रिय राजनीति में हैं। मीसा भारती इस वक्त राज्यसभा सांसद हैं, वहीं तेजस्वी यादव पूर्व उपमुख्यमंत्री और मौजूदा नेता प्रतिपक्ष तेज प्रताप यादव भी बिहार सरकार के पूर्व मंत्री और विधायक हैं। लालू यादव ने भी 70 के दशक में इसी सीट से राजनीति की शुरुआत की थी। गौरतलब है लालू पहली बार छपरा (अब सारण) लोकसभा सीट से सिर्फ 29 साल की उम्र में 1977 में सांसद बने थे। इसके बाद 1989 और 2004 में भी उन्होंने सारण से ही चुनाव जीता था।

गुजरात से यूपी के लिए निकली ट्रेन राजस्थान में हुई बेपटरी

जयपुर।

गुजरात से उत्तर प्रदेश के लिए निकली साबरमती सुपरफास्ट ट्रेन राजस्थान में पटरी से उतर गई। गनीमत रही कि किसी यात्री के घायल होने की खबर नहीं आई। ये हादसा उस वक्त हुआ जब साबरमती (अहमदाबाद) से आगरा जा रही ट्रेन के चार डिब्बे अजमेर में पटरी से उतर गए। दुर्घटना में कुछ यात्रियों को घायल होने की जानकारी मिली है। देर रात हुए हादसे के बाद मौके पर राहत और बचाव का काम शुरू किया गया।साबरमती-आगरा कैंट सुपरफास्ट एक्सप्रेस (12548) के चार डिब्बे रात करीब 1 बजे पटरी से उतर गए। बताया जा रहा है कि सुपरफास्ट ट्रेन एक मालगाड़ी से टकराने के बाद दुर्घटना का शिकार हुई।

उत्तर-पश्चिमी रेलवे के सीपीआरओ शशि किरण ने कहा, साबरमती से आगरा जाते समय ट्रेन (12548) अजमेर में मादर में सिग्नल के पास पटरी से उतर गई। इंजन और चार जनरल कोच पटरी से उतरे हैं। उन्होंने बताया कि हादसे में किसी की मौत नहीं हुई है। हालांकि, कुछ लोगों को मामूली चोटें आई हैं और उनका उपचार कराया जा रहा है। हादसा अजमेर में मादर रेलवे स्टेशन के पास हुआ। जिस वक्त दुर्घटना हुई, ट्रेन में अधिकतर लोग सो रहे थे। हादसे के बाद वहां चीख पुकार मच गई। यात्रियों ने बताया कि तेज आवाज के साथ डिब्बे पटरी से उतर गए। देर रात दुर्घटना की सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव का काम शुरू किया गया। गनीमत है कि हादसे में किसी की जान जाने की सूचना नहीं है। कुछ यात्रियों को के मामूली रूप से घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को अजमेर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ट्रेन के दुर्घटनाग्रस्त बोगियों को पटरी से हटाने का काम चल रहा है।

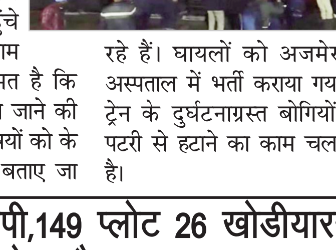

चुनावी बॉन्ड विवाद से मतदाता रहेंगे बेअसर: सर्वेक्षण

नई दिल्ली ।

चुनावी बॉन्ड पर हाल में उठे विवाद का मतदाताओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा और आगामी लोक सभा चुनाव के नतीजे भी इससे बेअसर रहेंगे। ये बातें एक सर्वेक्षण में सामने आई हैं। इस सर्वेक्षण में 10 मुख्य कार्याधिकारियों (सीईओ) से चुनावी बॉन्ड पर उठे विवाद पर उनकी राय पूछी गई। इन सीईओ ने कहा कि राजनीतिक दलों को चंदा देने वाली कंपनियों एवं लोगों के नामों के खुलासे से मतदाता प्रभावित नहीं होंगे और न ही इससे लोक सभा चुनाव के नतीजों पर ही कोई असर पड़ेगा। जब इन सीईओ से नरेंद्र मोदी सरकार के कामकाजी प्रदर्शन एवं विकास कार्यों पर उनकी राय पूछी गई तो उन्होंने 1 से 5 के पैमाने पर औसतन 4.1 रेटिंग दी। एक सीईओ ने मोदी सरकार को 3 रेटिंग दी जबकि दो ने मोदी सरकार के प्रदर्शन एवं विकास कार्यों को 5 में 5 रेटिंग दी। एक सीईओ ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि पिछले पांच साल चुनौतीपूर्ण रहे हैं। सर्वेक्षण में भाग लेने वाले सीईओ में 30 प्रतिशत ने कहा कि कंपनियों से एवं निजी स्तर पर चंदा लेने से बचने के लिए चुनाव खर्च के लिए सरकारी स्तर पर ही प्रावधान किया जाना चाहिए। मगर इतने ही सीईओ इस तर्क से सहमत नहीं हुए। 40 प्रतिशत ने चुनाव पर होने वाले खर्च के लिए सरकारी स्तर पर प्रावधान किए जाने के बारे में कुछ नहीं कहा। सर्वेक्षण में भाग लेने वाले आधे सीईओ ने कहा कि राजनीतिक चंदे के विषय पर उनके निदेशक मंडल (बोर्ड) में कोई स्वीकृत नीति नहीं है। 40 प्रतिशत का कहना था कि उनके बोर्ड में राजनीतिक चंदे पर मंजूरी ली जाती है। उपभोक्ता उत्पाद (कंज्यूमर प्रोडक्ट्स) बनाने वाली एक कंपनी के सीईओ ने कहा कि चुनावी खर्च के लिए मिलने वाली रकम को लेकर थोड़ी और पारदर्शिता की जरूरत है। हमें इस मामले में पश्चिमी देशों से सबक लेना चाहिए।

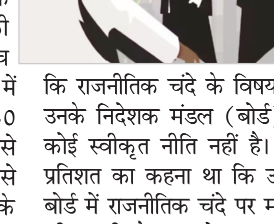

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सिविल की तीसरी मंजिल से युवक ने लगाई छलांग भाई का इलाज कराने आए युवक ने की आत्महत्या

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के न्यू सिविल अस्पताल में रविवार रात दिल दहला देने वाली घटना हुई है. रात करीब १२.३० बजे एक युवक सिविल की तीसरी मंजिल से नीचे कूद गया। किसी को पता नहीं चला कि युवक छलांग लगा चुका है. युवक करीब दो घंटे तक खून से लथपथ पड़ा रहा। दो घंटे बाद जब सूचना मिली तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। युवक के भाई का सिविल में इलाज चल रहा है। युवक ने आत्महत्या क्यों की इसका कारण सामने नहीं आया है। इस मामले की जानकारी के मुताबिक, सूरत जिले के मांडवी के नासूरा गांव में रहने वाले नितिन हलपति (उम्र ३६) के परिवार में माता-पिता, भाई, पत्नी और एक बेटा है. नितिन अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए एक कपड़ा फैक्ट्री में काम करता था। कुछ दिन पहले नितिन हलपति का सगा भाई घायल हो गया था. भाई को सूरत के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। रविवार रात नितिन उस वार्ड में था जहां उसका भाई भर्ती था। मुतक का भाई सिविल अस्पताल के ई-३ वार्ड में भर्ती था। वहां उनका इलाज चल रहा है. मृतक के भाई की हड्डी टूट गई है। नितिन हलपति भाई की देखभाल के लिए सिविल आए और रात भर भाई के वार्ड में रुके। इसी बीच कल रविवार को १७ मार्च को दोपहर करीब साढ़े १२ बजे नितिन ई-३ वार्ड की गैलरी से नीचे कूद गया। रात में परिवार के अन्य सदस्यों ने नितिन को काफी तलाश किया लेकिन वह नहीं मिला। परिजनों ने तलाश की तो रात करीब ढाई बजे नितिन का शव वार्ड के नीचे खून से लथपथ पड़ा मिला। नितिन की मौत से परिवार फिलहाल शोक में डूबा हुआ है. वहीं नितिन की आत्महत्या का कोई कारण सामने नहीं आया है. पुलिस ने आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है.

सिंगनपोर पुलिस स्टेशन में एक महिला कांस्टेबल ने ड्यूटी के दौरान आत्महत्या कर ली

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सिंगणपोर पुलिस स्टेशन में एक महिला कांस्टेबल ने ड्यूटी के दौरान आत्महत्या कर ली। इस संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक, सिंगणपोर इलाके में रहने वाली और सिंगणपोर पुलिस स्टेशन में कार्यरत महिला कांस्टेबल हर्षनाबेन चौधरी ने अपने घर पर आत्महत्या कर ली है.

महिला के कमरे में उसका शव मिला, साथ ही एक सुसाइड नोट भी मिला।

इस मामले में पुलिस ने घटना स्थल पर ऐसे जांच शुरू कर दी है. इस महिला कांस्टेबल ने आत्महत्या क्यों की, इसका कारण पुलिस जांच के बाद सामने आएगा।

सूरत हिरासत में मौत मामले में ९ गिरफ्तार

फॉरेंसिक पीएम से खुलासा: कुंद वस्तु से की गई व्यापारी की हत्या, माथे-दोनों हाथों पर मिले चोट के निशान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में वेसू के वेस्ट फील्ड कॉम्प्लेक्स में एक महिला से छेड़छाड़ करने वाले कारोबारी की कंट्रोल रूम से कॉल के आधार पर पीसीआर पुलिस स्टेशन लाए जाने के बाद अचानक मौत हो गई। इस पूरी घटना में मृतक कपड़ा व्यापारी के शव को फॉरेंसिक पीएम के लिए न्यू सिविल अस्पताल भेजा गया. जिसमें प्रारंभिक निष्कर्ष में सामने आया कि माथे और दोनों हाथों पर जलने के निशान थे और सिर पर किसी कुंद वस्तु जैसी चीज से मौत हुई थी। जिसके बाद पुलिस ने कॉम्प्लेक्स के सीसीटीवी के आधार पर कारोबारी से मारपीट करने वाले नौ आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है.

व्यापारी को थाने में सीने में दर्द हुआ सागर वेसू में अगम शॉपिंग सेंटर के सामने वेस्ट फील्ड कॉम्प्लेक्स में एक महिला से छेड़छाड़ करने वाले ३९ वर्षीय कपड़ा व्यापारी सुनील नेवतिया को कंट्रोल रूम से कॉल के आधार पर वेसू पुलिस के पीसीआर पुलिस स्टेशन में लाया गया। . जब सागर से पूछताछ की जा रही थी तो उसने सीने में दर्द की शिकायत की और पानी मांगा। तो पुलिस ने पानी दिया, लेकिन पानी पीने के बाद वह

सूरत के वेसू पुलिस स्टेशन में व्यापारी की मौत, माथे और दोनों हाथों पर गोलियों के निशान, सिर पर किसी कुंद वस्तु से चोट

बालकनी में सोने के लिए जाते समय बेहोश होकर गिर पड़े. उसे इलाज के लिए न्यू सिविल अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

आरोपियों के शव का पुलिस ने कराया फोरेंसिक पोस्टमार्टम पुलिस पिटाई की चल रही चर्चा के बीच वेसू पुलिस ने कारोबारी सागर के शव का फोरेंसिक पोस्टमार्टम कराया. लगभग ३ घंटे तक चली पोस्टमॉर्टम प्रक्रिया के बाद, फोरेंसिक डॉक्टरों ने कहा कि सागर के माथे और दोनों हाथों पर जलने के निशान थे और उसकी मौत कुंद बल के आघात से हुई।

जैसे ही पुलिस ने वेस्टफील्ड कॉम्प्लेक्स के सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू की, भीड़ ने व्यवसायी की पिटाई कर दी । जिसमें महिला से छेड़छाड़ करने वाले कारोबारी सागर को जुटी भीड़ ने बेरहमी से पीटा और उसके कपड़े भी फाड़ दिये. भीड़ द्वारा पिटाई के बाद सागर परिसर छोड़कर सड़क पर चला गया, लेकिन उसे वहां से वापस लाया गया और दूसरी बार पीटा गया।

पुलिस ने सीसीटीवी के आधार पर नौ को गिरफ्तार किया और संदेह जताया कि भीड़ ने पिटाई के दौरान कॉम्प्लेक्स या सड़क पर हमला किया होगा या किसी कुंद वस्तु से सिर पर वार किया होगा। जांच के लिए पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की विस्तृत जांच की. जिसमें व्यवसायी के साथ मारपीट करने वाले नौ युवकों की पहचान कर ली गई है और उनके खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है.

स्पा मसाज की आड़ में देह व्यापार करने वाली थाईलैंड की ७ महिलाओं को निर्वासित किया गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दो महीने पहले सूरत की अल्थान पुलिस ने अंबेज होटल नामक स्पा में मसाज की आड़ में तस्करों के अड्डे पर छापा मारकर थाईलैंड की सात महिलाओं को मुक्त कराया था। इस बीच, इन सभी महिलाओं को अल्थान पुलिस ने निर्वासित कर ब्लैकलिस्ट कर दिया था। अलथाण पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि इन्फिनिटी बीज़ हब की तीसरी मंजिल पर अंबेज होटल नामक स्पा में स्पा के सभी संचालक, मालिक चंचल राजपूत और विवेक सिंह सहित उनके अन्य सहयोगी शामिल हैं। महिलाओं को पूरा करती है और कुन्दन और बंटी मारवाड़ी नाओ यह बाहर से ग्राहक लाते हैं यह सभी महिलाओं को एक साथ लाते हैं और उन्हें स्पा में मसाज के लिए काम पर रखते हैं और वह महिलाएं मसाज के नाम पर ग्राहकों से रुपए लेती हैं और इसके तहत देह व्यापार का धंधा चलाती हैं स्पा मसाज की आड़ में ग्राहकों को शारीरिक सुख का आनंद लेने की सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। सूचना के आधार पर १८ तारीख को छापेमारी कर कुल ०८ अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, ०५ अन्य अभियुक्तों को वांछित घोषित कर कानूनी कार्रवाई की गयी तथा सभी के विरुद्ध अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया. स्पा मसाज की आड़ में देह व्यापार करने वाली थाईलैंड की ७ महिलाओं को स्पेशल ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया। डिपोर्ट करने के बाद अलथान पुलिस ने ७ महिलाओं को ब्लैकलिस्ट कर अहमदाबाद एयरपोर्ट से थाईलैंड डिपोर्ट कर दिया।

नगर पालिका की जीरो प्रेशर रोड पर काम के नाम पर अन्य सड़कों पर दबाव की समस्या विकराल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम ने जीरो प्रेशर रूट पर डीकंप्रेसन का काम बड़े पैमाने पर शुरू कर दिया है. नगर पालिका ने पाल आरटीओ, प्राइम आर्केड, सूरत-डुमास रोड आदि को बंद कर दिया है, जिससे क्षेत्र में यातायात और समस्याएं कम हो गई हैं। नगर पालिका अभी तक पूरे ११९ शून्य दबाव वाले मार्गों को डिप्रेशराइज नहीं कर पाई है, डिप्रेशराइज्ड मार्गों के आसपास के आवासीय क्षेत्रों में डिप्रेशराइजेशन की समस्या से लोगों को परेशानी हो रही है। जहां लोग इस दबाव को दूर करने के लिए याचिका लगा रहे हैं, वहीं नगर निगम अधिकारी शून्य दबाव मार्ग को प्राथमिकता देकर दबाव को अन्यत्र बढ़ावा दे रहे हैं।

सूरत नगर निगम की जीरो प्रेशर रूट डिकमीशनिंग की नीति पूरी तरह सफल नहीं हो पाई है। आज भी ५० से अधिक शून्य दबाव मार्गों पर पारा दबाव है। जिस मार्ग से पुश्ता हटाया गया है, उसके आसपास के रिहायशी इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए ढकेलें खतरा बन गई हैं। नगर पालिका द्वारा शून्य दबाव मार्ग के संचालन के बाद आसपास के आवासीय क्षेत्र की छोटी-बड़ी सड़कों पर ढकेलों ने कब्जा कर लिया है। इतना ही नहीं, नगर निगम के फुटपाथ पैदल चलने वालों के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, लेकिन इन फुटपाथों का उपयोग फुटपाथों पर इस तरह से किया जाता है जैसे कि वे लॉरी वाहकों के लिए डिज़ाइन किए गए हों। जब आवासीय क्षेत्रों के लोग अपने क्षेत्र में दबाव के बारे में नगर पालिका से शिकायत करते हैं, तो नगर निगम के अधिकारी स्पष्ट कर देते हैं कि मार्ग पर दबाव कम करने के लिए शून्य दबाव प्राथमिकता है, इसलिए काम किया जा रहा है। इसके बाद स्थानीय लोग नेताओं से शिकायत करते हैं, लेकिन अधिकारी पर्याप्त काम नहीं करते। इस प्रकार नगर पालिका सभी शून्य दबाव वाले मार्गों से दबाव दूर नहीं कर पा रही है और दूसरी ओर अन्य सड़कों पर उपद्रव बिंदु दिन-ब-दिन बढ़ते जा रहे हैं। जिससे लोगों की हालत खराब होती जा रही है.

लिंबायत में सामान्य विवाद में गाड़ियों-मकानों में तोड़फोड़ करने वाले ३ दंगाइयों को 'पिंजरे में बंद' किया गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के लिंबायत इलाके में देर रात छत्रपति शिवाजी नगर और खानपुरानी की सीमा के पास कुछ युवकों के बीच बैठने को लेकर विवाद होने के बाद मामला बड़ों के बीच बढ़ गया. जिससे स्थिति और भी गंभीर हो गई. इसी बीच कुछ असामाजिक तत्व तलवार, हॉकी स्टिक और लोहे व लकड़ी के फरसा के साथ मौके पर पहुंच गये और आमने-सामने की मारपीट हो गयी.

जिसमें इस भीड़ द्वारा कुछ गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस का बेड़ा मौके पर पहुंच गया. देर रात भी पुलिस ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखी और सुबह भी सुरक्षा व्यवस्था यथावत रही. बता दें कि पता चला है कि पुलिस ने इस पूरे मामले में कुल तीन लोगों को हिरासत में लिया है. घटना का विवरण इस प्रकार है कि कल रात करीब ८ः०० बजे शहर के लिंबायत इलाके में छत्रपति शिवाजी नगर और खानपुरानी की सीमा के पास कुछ युवक बैठे हुए थे. इसी बीच अन्य युवक वहां आ गए और दोनों पक्षों में बैठने को लेकर बहस हो गई। हालाँकि, जैसे-जैसे विवाद अधिक तीव्र होता गया, यह दोनों पक्षों के बड़े लोगों के बीच गिर गया। जिससे स्थिति और भी गंभीर हो गई. दोनों पक्षों के बीच हुई मारपीट के बाद कुछ ही मिनटों में कुछ असामाजिक तत्व तलवार, हॉकी स्टिक और लोहे के पाइप और लकड़ी के डंडे लेकर मौके पर पहुंच गए और एक-दूसरे पर 'एल फेल' चिल्लाते हुए गाड़ियों में तोड़फोड़ की. भीड़ ने बाइक और टेम्पो समेत कई गाड़ियों और कुछ घरों में भी तोड़फोड़ की, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई. इन सामाजिक तत्वों के हमले से स्थानीय महिलाओं में भी भय का माहौल था. घटना की जानकारी जैसे ही पुलिस को मिली तो लिम्बायत पुलिस की मदद से वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों समेत काफिला मौके पर पहुंचा. रात में स्थिति को नियंत्रित करने के बाद पुलिस ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था कायम रखी और पूरी रात गश्त करती रही. इसके साथ ही सुबह के समय भी पुलिस की ओर से सुरक्षा व्यवस्था कायम रखी गयी. ताकि कोई स्थिति खराब न हो. बता दें कि पुलिस ने देर रात तीन लोगों को हिरासत में लिया है और कानूनी कार्रवाई की है.

ग्लोबल वार्मिंग के खिलाफ पर्यावरण को संतुलित करने की कोशिश, सूरत में लकड़ी की जगह गाय के गोबर से होली जलाई जाएगी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत समेत दुनिया भर में ग्लोबल वार्मिंग के असर के कारण अब लोग पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी जागरूक हो रहे हैं। लोग अब त्योहारों को भी पर्यावरण संरक्षण से जोड़कर मना रहे हैं। फिर लोगों में आने वाले होली के त्योहार के लिए वैदिक होली दहन का क्रेज देखने को मिल रहा है. शहर में होलिका दहन के लिए लकड़ी की जगह गोबर के कंडे की मांग और मांग बढ़ गई है। सूरत सहित पूरे राज्य में हर साल होलिका दहन मनाया जाता है, लेकिन इस बार पर्यावरण केंद्रित और वैदिक होली उत्सव बड़े पैमाने पर मनाया जाएगा क्योंकि इस साल सूरत पांजरापोल ने एक विशेष मशीन का उपयोग करके ८० हजार किलो गाय के गोबर से होली तैयार की है। . गाय के गोबर को इकट्ठा करके और अपशिष्ट चारे को उन्नत मशीनों से उपयोग करके गौ-काष्ठ बनाया जाता है। हर साल देखा जाता है कि लोग होलिका दहन पर लकड़ी का उपयोग करते हैं। इस कारण बड़ी संख्या में इस पेड़ को भी जलाया जाता है, लेकिन इस वैदिक होली में लकड़ी का उपयोग किया जाता है। स्थान पर गौ-काष्ठ जलाकर होली का त्यौहार वैदिक रीति से मनाया जाता है।

होलिका दहन पर लोग लकड़ी की जगह पिंजरों में तैयार गौ-काष्ठ का उपयोग करने जा रहे हैं। क्योंकि यह पर्यावरण के अनुकूल है और दूसरी ओर इस आय से पांजरापोल की गायों को भी मदद मिलेगी।